हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक बस्तर में आज

मध्य क्षेत्रीय परिषद (सीजेडीसी) की बैठक छत्तीसगढ़ के बस्तर में 19 मई को होगी। अध्यक्षता केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे। इसमें विकास एवं सुरक्षा के मुद्दे पर विशेष तौर पर चर्चा होगी। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, मप्र के सीएम डॉ. मोहन यादव और उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी मौजूद रहेंगे। मध्य क्षेत्रीय परिषद की यह 26 वीं बैठक है।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%)	₹116258/-
22 कैरेट रेट (91.60%)	₹141990/-
24 कैरेट रेट (99.99%)	₹154995/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
ANAND Jewels
Pandri, Raipur

400 आधुनिक डायल-112 वाहन 24x7 पुलिस, फायर और मेडिकल इमरजेंसी सेवाएं देंगे

शाह ने दी बड़ी सौगात, 400 डायल 112 वाहन और 32 फॉरेंसिक वैन 33 जिलों के लिए रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को माना पुलिस परेड ग्राउंड में छत्तीसगढ़ पुलिस की अत्याधुनिक 'नेक्स्ट जेन सीजी डायल-112 सेवा' तथा मोबाइल फॉरेंसिक वैन का शुभारंभ किया। 400 अत्याधुनिक डायल-112 वाहनों तथा 32 मोबाइल फॉरेंसिक वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उल्लेखनीय है कि 'एक्के नंबर, सब्बो बर' थीम पर आधारित यह आधुनिक सेवा पुलिस, अग्निशमन और चिकित्सा सेवाओं को एकीकृत करते हुए नागरिकों को एक ही नंबर पर त्वरित आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराएगी। 400 अत्याधुनिक वाहनों में स्मार्टफोन, जीपीएस, वायरलेस रेडियो, पीटीजेड कैमरा, डैश कैम, मोबाइल एनवीआर और सोलर बैकअप जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन तकनीकों की मदद से घटनास्थल की लाइव मॉनिटरिंग, रियल-टाइम ▶▶|शेष पेज 6 पर

घटनास्थल पर ही होगी वैज्ञानिक जांच

32 मोबाइल फॉरेंसिक वैन प्रदेश में अपराध अनुसंधान को नई दिशा देंगी। "32 वैन-32 जिले एक संकल्पः सटीक जांच, त्वरित न्याय" के उद्देश्य के साथ शुरू की गई यह पहल घटनास्थल पर ही प्रारंभिक वैज्ञानिक जांच की सुविधा उपलब्ध कराएगी। लगभग 65 लाख रुपये प्रति यूनिट लागत वाली इन अत्याधुनिक वैन में घटनास्थल संरक्षण किट, साक्ष्य संग्रहण एवं सीलिंग उपकरण, फिंगरप्रिंट डिटेक्शन सिस्टम, नार्कोटिक्स परीक्षण किट, डिजिटल फॉरेंसिक सपोर्ट, उच्च गुणवत्ता फोटोग्राफी व्यवस्था, बुलेट होल स्क्रीनिंग एवं बैलिस्टिक जांच किट तथा गनशॉट रेजिड्यू (जीएसआर) परीक्षण किट जैसी उन्नत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

मोबाइल फॉरेंसिक वैन से घटनास्थल पर ही वैज्ञानिक जांच और साक्ष्य संरक्षण

एआई आधारित स्थान-पहचान तकनीक जोड़ी गई

मानकों और सहायता क्षमता को मजबूत करने डायल 112 सेवा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्थान पहचान तकनीक को जोड़ा गया है, जिससे संकट में फंसे व्यक्ति की वास्तविक भौगोलिक स्थिति का सटीक पता लगाया जा सकेगा। साथ ही, आपातकालीन कॉल और आंकड़ों का संचालन बिना किसी बाधा के जारी रखने के लिए सिविल लाइंस स्थित प्राथमिक नियंत्रण केंद्र के अतिरिक्त नया रायपुर स्थित पुलिस मुख्यालय में वैकल्पिक बैकअप प्रणाली पर आधारित दूसरा नियंत्रण केंद्र भी सक्रिय किया गया है। यह केंद्र किसी भी तकनीकी समस्या या आपदा की स्थिति में स्वतः बैकअप के रूप में कार्य करेगा।

केंद्रीय गृहमंत्री ने अमर वाटिका में दी शहीदों को श्रद्धांजलि

शहीदों के परिजनों के साथ बैठे, दुख साझा किया, दिया मदद का भरोसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को अमर वाटिका पहुंचकर माओवाद के विरुद्ध संघर्ष में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले एक हजार से अधिक अमर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। गृहमंत्री श्री शाह ने कहा कि बस्तर की धरती पर शांति, सुरक्षा और विकास स्थापित करने में जवानों का बलिदान अविस्मरणीय है। देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर जवानों का त्याग कभी व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र और राज्य सरकार बस्तर में स्थायी शांति स्थापित करने, विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और माओवाद के समूल उन्मूलन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस दौरान उन्होंने ने बीजापुर नक्सली हमले में शहीद हुए जवान कालेन्द्र प्रसाद नायक एवं पवन कुमार मंडावी के परिजनों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने परिवारजनों के बीच ▶▶|शेष पेज 6 पर

शहीदों के बलिदान को छत्तीसगढ़ कभी नहीं भूलेगाः सीएम साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शहीद जवानों को नमन करते कहा कि उनका बलिदान छत्तीसगढ़ कभी नहीं भूलेगा। राज्य सरकार शहीद परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर अब शांति, विश्वास और विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसमें सुरक्षाबलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

वीर शहीद गुण्डाधुर सेवा डेरा जनसुविधा केंद्र का गृहमंत्री ने किया शुभारंभ

शाह बोले-बस्तर में छह दशक में नक्सलवाद से हुए नुकसान की भरपाई हम पांच साल में करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को बस्तर में शहीद वीर गुण्डाधुर सेवा डेरा जन सुविधा केन्द्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री शाह ने कहा कि आज एक बहुत ऐतिहासिक दिन है। शहीद वीर गुण्डाधर की यह जन्मभूमि और कर्मभूमि अपने आप में भारत के हर नागरिक के लिए तीर्थ समान है।

वर्ष 1910 में हमारे वीर आदिवासी नेता ने भूमकाल विद्रोह के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम की शुरूआत की थी और विदेशी शासन के विरुद्ध बस्तर के आदिवासियों की लड़ाई का नेतृत्व शहीद वीर गुण्डाधुर ने किया था। उन्होंने कहा कि आज उन्हीं से प्रेरणा लेकर नेतानार का यह कैंप, जो वर्ष 2013 से सुरक्षा कैंप था, अब सेवा कैंप बनकर आदिवासियों की सेवा करेगा।

छत्तीसगढ़ सरकार ने इस सेवा कैंप का नाम भी शहीद वीर गुण्डाधुर के नाम पर रखा है। यह कैंप हमें सदैव स्मरण कराएगा कि एक समय यहां छह पुलिसकर्मियों की निर्मम हत्या की गई थी, यहां के स्कूल, अस्पताल उजाड़ दिए गए थे, राशन पहुंचने नहीं दिया गया, रोजगार और शिक्षा से लोगों को वंचित रखा गया। श्री शाह ने कहा कि आज उसी स्थान पर, जहां हमारे छह जवान शहीद हुए थे, वहां गरीब आदिवासियों की सेवा का एक तीर्थ स्थल बनाने का कार्य प्रारंभ हो रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद ▶▶|शेष पेज6 पर

रायपुर जैसा विकास एक साल में बस्तर लाएगी सरकार

श्री शाह ने कहा कि नक्सलियों ने दशकों तक गलतफहमी फैलाई कि हमारा विकास नहीं हुआ इसलिए हमने हथियार उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि इस क्षेत्र का विकास इसलिए नहीं हुआ क्योंकि नक्सलियों ने हाथों में हथियार उठा रखे थे। उन्होंने कहा कि रायपुर में विकास के जितने कार्य हुए हैं, उन्हें एक साल के भीतर हमारी सरकार आपके गांवों तक लाएगी। श्री शाह ने कहा कि सरकार की हर सुविधा पर आपका इतना ही अधिकार है जितना बड़े शहरों की जनता का है। श्री शाह ने कहा कि यह आपकी सरकार है और आपके जीवन में खुशियां लाना सरकार का उत्तरदायित्व है।

आदिवासी गांवों की बदलेंगे दशा

गृहमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आह्वान किया है कि नक्सलवाद समाप्त हो गया है, ऐसा मानकर चैन की नींद नहीं सोना है। नक्सलवाद से हुए नुकसान की भरपाई हम 5 साल के अंदर कर इन सभी गांवों को ऊर्जावान आदिवासी गांवों में बदलेंगे । इसके लिए आदिवासियों के खेल को बढ़ावा देने के लिए हमने ओलंपिक और आदिवासी साहित्य, भाषा, संगीत, कला, नृत्य और विविध पकवानों को विश्व प्रसिद्ध करने के लिए बस्तर पंडुम शुरू किया है। विकास तीव्र गति से होगा।

कहा- शहीद की जन्मभूमि तीर्थ समान

डेढ़ वर्ष में 70 कैंप बनेंगे जनसेवा केंद्र

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि बस्तर में अभी लगभग 200 कैंप हैं और उनमें से 70 कैंप को अगले डेढ़ वर्षों में हम इसी प्रकार के जनसेवा केंद्र के रूप में परिवर्तित कर आदिवासी कल्याण का केन्द्र बनाएंगे। इन कैंपों का डिजाइन कंप्लीट होगा, जिनके अंदर बैंकिंग सुविधा भी होगी, आधार कार्ड भी बनेगा, राशन कार्ड भी बनेगा, सरकार की योजना के पैसे यहीं से मिलेंगे, कॉमन सर्विस सेंटर पर राज्य सरकार और केंद्र सरकार की 371 योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर मिलेगा।

खबर संक्षेप

देश की पहली बुलेट ट्रेन की तस्वीर जारी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने जा रही देश की पहली हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन की तस्वीर सामने आ गई है। रेल मंत्रालय के गेट नंबर 4 पर देश की पहली प्रस्तावित बुलेट ट्रेन की तस्वीर प्रदर्शित की गई है, जो हर आने-जाने वाले व्यक्ति का ध्यान खींच रही है।

नीट पुनःपरीक्षा की तिथि से टकराव के कारण फैसला

रायपुर। व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा पीएटी तथा पीपीवीटी परीक्षा तिथियों में बदलाव किया गया है। ये बदलाव नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित नीट के कारण किया गया है। एनटीए द्वारा नीट का आयोजन पूर्व में किया जा चुका था। प्रश्नपत्र लीक होने के बाद इसकी पुनः परीक्षा 21 जून को प्रस्तावित है। द्वारा जारी किए गए कैलेंडर के अनुसार, इसी तिथि में प्री एग्रीकल्चर टेस्ट अर्थात पीएटी व पीव्हीपीटी का आयोजन भी होना था।

वैन और ट्रक की टक्कर में 10 लोगों की मौत

लखीमपुर खीरी। यूपी के लखीमपुर खीरी जिले के ईसानगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक वैन और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में चालक और दो महिलाओं समेत 10 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में से नौ की पहचान कर ली गई है जिनमें जयदीप सिंह (25), अदनान खान (15), पवन राजभर (23), सोहन राजभर (21), रामगोपाल (42), सहज राम (35), पप्पू गौतम (18), गायत्री वैश्य (44) और जुलेखा (55) शामिल हैं।

कोर्ट की शर्त : छत्तीसगढ़ से रहना होगा बाहर

डीएमएफ घोटाले में पूर्व आईएएस टुटेजा को सुप्रीम कोर्ट से राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित डीएमएफ घोटाले में पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा को शर्तों के साथ जमानत दे दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची की बेंच ने कहा कि मामले में आरोप गंभीर हैं, लेकिन इनकी अंतिम पुष्टि ट्रायल के दौरान होगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि टुटेजा को जमानत के लिए संबंधित न्यायालय में तय नियमों के अनुसार बॉन्ड जमा करना होगा। साथ ही छत्तीसगढ़ से बाहर रहना होगा। ध्यान रहे कि अनिल टुटेजा को इस मामले में 23 ▶▶|शेष पेज 6 पर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आरोप गंभीर, लेकिन ट्रायल के बाद ही होगी अंतिम पुष्टि

जमानत के साथ कड़ी शर्तें

सुनवाई के दौरान टुटेजा की पूर्व प्रभावशाली प्रशासनिक भूमिका को देखते हुए गवाहों को प्रभावित करने की आशंका जताई गई। इसी कारण कोर्ट ने सख्त शर्त लगाई है कि रिहाई के बाद वे छत्तीसगढ़ राज्य से बाहर रहेंगे। साथ ही रिहाई के एक सप्ताह के भीतर उन्हें अपने निवास की पूरी जानकारी एसीबी और संबंधित पुलिस थाने को देनी होगी। साथ ही, उन्हें हर सुनवाई में अदालत में उपस्थित होना होगा, जब तक कि अदालत से विशेष छूट नहीं मिले।

सीआरपीएफ के पूर्व डीजी विजय को पद्मश्री

नई दिल्ली। देश की आंतरिक सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी अभियानों और पुलिस आधुनिकीकरण में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व डी जी सी आर पी ए फ विजय कुमार को भारत सरकार ने पद्मश्री सम्मान के लिए चुना है। विजय कुमार दशकों तक देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 15 सितंबर 1952 को जन्मे विजय कुमार 1975 बैच के आईपीएस अधिकारी रहे हैं। संट जोसेफ कॉलेज और मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज से ▶▶|शेष पेज 6 पर

पुलिस ने आठ घंटे के भीतर आरोपी को दबोचा

मार्निंग वाक पर निकले पूर्व विस अध्यक्ष धरमलाल से हुई लूट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुब सवा सात बजे मार्निंग वाक पर निकले पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक झपटमारी के शिकार हो गए। विधायक अपने मोबाइल पर बात करते हुए सुबह टहल रहे थे, इस दौरान एक बदमाश बाइक में तेजी से उनके करीब पहुंचा और उनके हाथ से मोबाइल छीनकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी युवक को घटना के आठ घंटे के भीतर गिरफ्तार कर उसके कब्जे से मोबाइल जब्त कर लिया है। पुलिस ने ▶▶|शेष पेज 6 पर

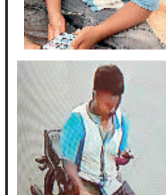

सीसीटीवी की मदद से पकड़ा गया आरोपी

पुलिस ने बताया कि घटना स्थल और संभावित रूट के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फूटेज की बारीकी से पड़ताल की गई। साथ ही तकनीकी विश्लेषण और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से आरोपी की लगातार तलाश की गई। फूटेज में एक संदिग्ध का फूटेज मिलने पर उसके बारे में जानकारी जुटाकर हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने विधायक के साथ झपटमारी करने का अपराध कबूल किया।

जांच के दौरान पुलिस ने पकड़े स्वर्ण आभूषण

कार की पिछली सीट ने उगला 9 करोड़ का सोना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

सिघोड़ा पुलिस ने एक कार से 9 करोड़ रुपए से अधिक का स्वर्ण आभूषण पकड़ा है। मामले में गुजरात निवासी तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सिंघोड़ा पुलिस टीम द्वारा एनएच 353 पर रेहटीखोल नाका के पास वाहनों की जांच के दौरान ओडिशा की ओर से आ रही एक वोक्सवैगन वरटस कार क्रमांक जीजे 03 एनपी 4230 को रोकने पर सवार लोग घबरा गए। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की और तलाशी ली तो पाया कि ▶▶|शेष पेज 6 पर

वैध दस्तावेज न मिलने पर कार्रवाई

पुलिस ने कार सवार व्यक्तियों से सोने के आभूषणों के संबंध में वैध दस्तावेज और बिल प्रस्तुत करने को कहा। आरोपियों ने सोने से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज पेश नहीं किए जिसके चलते पुलिस ने धारा 106 बीएनएस के तहत 9.17 करोड़ रुपए का सोना और 10 लाख रुपये कीमत की वोक्सवैगन कार सहित कुल 9,27,84,220 रुपए की संपत्ति जब्त कर मामले में आगे की जांच और कार्रवाई के लिए आयकर और राजस्व विभाग को सूचित किया है।

पश्चिम एशिया संकट के बाद देश में ईंधन को लेकर बड़ी पहल

हाईकोर्ट में हो वर्चुअल सुनवाई

सीजेआई सूर्यकांत ने सभी हाईकोर्ट से की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच ईंधन और सरकारी खर्चों को बचाने के लिए भारतीय न्यायपालिका ने एक बड़ा कदम उठाया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने देश के सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से अनुरोध किया है कि वे सोमवार और शुक्रवार को अदालती कार्यवाही ऑनलाइन (वर्चुअल) माध्यम से संचालित करें। यह कदम अनावश्यक खर्चों को कम करने और ईंधन की खपत को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने खुद 15 मई को फैसला लिया था कि वह सप्ताह के ▶▶|शेष पेज 6 पर

पीएम मोदी ने की थी अपील

न्यायपालिका का डिजिटल मोड की तरफ यह झुकाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई अपील के बाद आया है। इस दिशा में अनुकरणीय कदम उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने न केवल हफ्ते में दो दिन वर्चुअल कोर्ट में शिफ्ट होने का फैसला किया, बल्कि ईंधन के अधिकतम और कुशल उपयोग के लिए आपस में 'कार-पूलिंग' (साझा गाड़ी) करने का भी सर्वसम्मत संकल्प लिया है।

सरकारी बैंकों और बीमा कंपनियों के खर्चे पर लगाम

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों से मितव्ययिता उपाय अपनाने तथा इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने का सोमवार को आह्वान किया। वित्त मंत्रालय के अधीन वित्तीय सेवा विभाग ने जारी परिपत्र में यात्रा खर्च कम करने और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने का आग्रह किया है।

बैठकें हो ऑनलाइन

परिपत्र में कहा गया कि मितव्ययिता उपाय तत्काल प्रभाव से लागू किए जाएं। इसके तहत सभी बैठकें, समीक्षा और परामर्श ऑनलाइन किए जाएं जब तक कि भौतिक बैठक बेहद आवश्यक न हो। परिपत्र में कहा गया कि बैंकों व वित्तीय संस्थानों के चेयरमैन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा पूर्णकालिक निदेशकों की विदेश यात्राओं को छोटा किया जाए और जहां तक संभव हो ऐसे कार्यक्रमों में ऑनलाइन शामिल हों। मौजूदा वाहन बेड़े को चरणबद्ध तरीके से ईवी में बदला जाए।

भिलाई के युवक हैदराबाद के तीन अपार्टमेंट में चला रहे थे आईपीएल सट्टा, मास्टर माइंड सहित 13 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

हैदराबाद में चल रहे आईपीएल सट्टा में बड़ा खुलासा हुआ है। भिलाई के युवक हैदराबाद में सट्टा खिला रहे थे। पैनल के 14 सटोरियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

एसएसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि चरोदा निवासी जावेद अख्तर, आभास जायसवाल को बैंक के खातों समेत पहले पकड़ा गया था। पूछताछ पर सटोरियों ने पुलिस को इनपुट दिया कि ये स्लम एरिया, अन्य व्यक्तियों से संपर्क कर बैंक खाते खुलवाते हैं। नया सिम खरीदकर बैंक पास बुक, एटीएम, चेकबुक को ढांचा भवन कुरूद जामुल निवासी कुणाल वर्मा को 25 हजार रुपए प्रति पास बुक से बेचा जाता था। कुणाल वर्मा पास बुक एटीएम, सिम, चेकबुक का उपयोग ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा में करता था। खाता का उपयोग लेनदेन डिपाजिट विड्राल में करता है। कुणाल वर्मा शार्ट स्पोर्ट नामक पैनल भी चलाया करता है। पूछताछ के दौरान कुणाल वर्मा ने बताया कि हैदराबाद के अल्फापुरम एसएस रेसीडेंसी, शमसाबाद के नक्षत्र सोसायटी,रोहित चौहान एच लोटस 13, सीपी 07 क्रेक प्ल्स बुक चलाकर ऑनलाइन आईपीएल क्रिकेट सट्टा में लोकल युवको को लेकर जाया करता था। खाता सिम, चेक बुक. एटीएम का उपयोग ऑनलाइन सट्टे के लिए किया जाता है। सभी आरोपियों के संपत्ति का विवरण भी मंगाया गया है।

- खातों में पांच करोड़ से ज्यादा का ट्रांजेक्शन
- 2 .57 लाख कैश और 10 लाख का सामान जब्त

कुणाल वर्मा पूरे पैनल का मास्टर माइंड है, जो पैनल खरीदकर म्यूल खाता की व्यवस्था करता था। कुणाल वर्मा के ऊपर के चैनल की जांच की जा रही है। 2026 के आईपीएल सीजन में अपराध नियत्रंण के लिए 14 कार्रवाई पुलिस द्वारा की गई है। इन्ही खातों में 63 सायबर शिकायत दर्ज है। सटोरियों के पास से पुलिस ने लेपटांप 9, मोबाईल 46, पासबुक 23,एटीएम 107, सिम कार्ड 20 और नगदी रकम 2.57 लाख रुपए बरामद की गई है।

भिलाई-दुर्ग के युवकों की गिरफ्तारी, जारी है पूछताछ

पुलिस ने मामले में भिलाई-दुर्ग के युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में चंडी मंदिर मठपारा दुर्ग निवासी विक्की साहू, वृन्दानगर केम्प 1 निवासी अभिषेक भारती, बस्ती थाना शाहजानाबाद भोपाल निवासी नूरमल्ल नूरानी, गुरफान खान व जेदखान, इन्दिरा नगर गदा चौक निवासी राजकुमार पासवान, वृन्दानगर निवासी तुकेश्वर साहू, केम्प 1 निवासी श्रीनू, शेख सद्दाम, विकास राय, विकास निषाद, शंकरपारा मराठा बस्ती निवासी रोहित चौहान, ढांचा भवन निवासी कुरूद कुणाल वर्मा, राम नगर निवासी प्रतीक पटेल को गिरफ्तार किया गया है। सटोरियों से पुलिस ने नगदी रकम, मोबाइल, लेपटाप, जुमला करीबन 10 लाख रुपए बरामद किया है। लगभग 5 करोड़ का ट्रांजेक्शन विभिन्न खातों में मिला है। पुलिस इसे लेकर जांच में जुटी हुई है। सटोरियों पर सिंडिकेट बनाकर म्यूल खाते का भी संचालन किया करते थे, इसे लेकर भी कार्रवाई की जाएगी।

जांच में देर नहीं पर रिपोर्ट के लिए करना पड़ रहा लंबा इंतजार, अटक रहा मरीजों का इलाज

रायपुर। बीमारी का पता लगाने रेडियोडायग्नोसिस विभाग में जांच कराने मरीजों को कम समय लग रहा है, मगर उसकी रिपोर्ट पाने का लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। रिपोर्ट मिलने में लगने वाले समय की वजह से संबंधित मरीजों का इलााज शुरू होने में काफी वक्त लग रहा है।

आंबेडकर अस्पताल के इस विभाग में संसाधन तो सीमित हैं, मगर जांच का दबाव ज्यादा है। सीटी स्कैन, एमआरआई सहित अन्य टेस्ट के बाद रिपोर्ट तैयार करने एनालिसिस में विशेषज्ञों को काफी समय लग रहा है।आंबेडकर अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, मगर उसकी तुलना में यहां संसाधन उपलब्ध कराने की गति काफी धीमी है। इलाज के लिए यहां आने वाले 40 फीसदी मरीजों को बीमारी की पहचान अथवा गंभीरता का पता लगाने के लिए रेडियोडायग्नोसिस विभाग जाना पड़ता है।

कामेश्वर के लघु उपन्यास 'लीलागर' का विमोचन

रायपुर। जनवादी लेखक संघ (जलेस) छत्तीसगढ़ तथा शानी फाउंडेशन द्वारा 'शानी' के जन्मदिवस पर रायपुर में 'शानी' के जीवन पर आधारित पोस्टरों की प्रदर्शनी और छत्तीसगढ़ के कथा-उपन्यास पर विमर्श तथा मीडिया से जुड़े कवियों के काव्यपाठ का कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रदेश भर के रचनाकारों ने बड़ी संख्या में शिरकत की।

इस अवसर पर कथाकार कामेश्वर के लघु उपन्यास 'लीलागर' और कांकेर के वरिष्ठ कवि इस्माइल 'जगदलपुरी' के कविता-संग्रह 'बंद गली की टूटती साँसों की आखिरी गज़लें' का विमोचन हुआ। पोस्टर प्रदर्शनी का शुभारंभ वरिष्ठ कथाकार एवं जनवादी लेखक संघ के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर पांडेय ने किया। उन्होंने कहा कि जब देश में पहुंच मार्ग की दृष्टि से बस्तर एक दूरस्थ एवं विषम स्थान माना जाता था, तब 'शानी' वहां बैठकर न केवल आदिवासी जनजीवन को सूक्ष्मता से देख रहे थे, बल्कि स्थानीय मुस्लिम समाज के जीवन-संघर्ष को अपनी रचनाओं में उकेर रहे थे। उनकी कृतियाँ 'कस्तूरी' और 'कालाजल' जैसी रचनाओं ने राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का साहित्य हिंदी की मुख्यधारा के बाहर नहीं है; बल्कि सच तो यह है कि हिंदी कथा-साहित्य की कई बुनियादी संवेदनाएँ इसी अंचल से होकर गुज़री हैं। उन्होंने आधुनिक गद्य साहित्य के उन्नायकों माधवराव सप्रे, पदुमलालाल पुन्नालाल बख्शी, मुक्तिबोध, विनोदकुमार शुक्ल सहित समकालीन कथाकारों का स्मरण करते हुए सत्यदेव दुबे, शंकर शेष, हबीब तनवीर के नाटकों, मुक्तिबोध के 'विपात्र' तथा लोचनप्रसाद पाण्डेय के लेखन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने छत्तीसगढ़ी लोककथा पर आधारित अपने लघु उपन्यास 'लीलागर' के संबंध में बताया कि कोरबा और जांजगीर जिलों से बहती बहती हुई शिवनाथ में मिल जाने वाली एक सौ चौतीस किलोमीटर की यह छोटी-सी नदी अंचल की लोक-संस्कृति को समृद्ध करती है। इसके तटवर्ती गाँवों में रहने वाले लोग इसके उद्भव की कथा को थोड़े-बहुत फेर-बदल के साथ कहते-सुनते हैं जिसे उन्होंने यथार्थवादी शैली में लघु उपन्यास के रूप में प्रस्तुत किया है। पुस्तक अमेजॉन पर उपलब्ध है। आधार वक्तव्य देते हुए कथाकार कैलाश बनवासी ने गजानन माधव मुक्तिबोध का स्मरण किया, जिन्होंने 1954-55 में छत्तीसगढ़ अंचल में रहकर लेखन किया और श्रीकांत वर्मा, 'शानी', प्रभात त्रिपाठी, विनोद कुमार शुक्ला सहित अनेक लेखकों को प्रभावित किया।

जीपीएफ की राशि जमा नहीं याचिका पर शासन को नोटिस

बिलासपुर। वेतन से कटौती कर राशि उसके सीजीपीएफ अकाउंट में जमा नहीं किए जाने से नाराज व्याख्याता ने हाईकोर्ट में अपील की। हाईकोर्ट ने विस्तार पूर्वक सुनवाई कर राज्य शासन को तीस जून को स्थिति स्पष्ट करते हुए जवाब प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। मामले में पीएम स्वामी आत्मानन्द विद्यालय मस्तूरी के व्याख्याता संजय पाण्डेय ने कोर्ट में स्वयं उपस्थित होकर पैरवी की और याचिका में बताया कि उनके वेतन से प्रति माह सीजीपीएफ की राशि की कटौती हो रही है ,परन्तु वह राशि उनके सीजीपीएफ खाते में नियमित तौर पर जमा नहीं हो रही है।इस विषय में सक्षम अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं करने से विवश व्याख्याता ने हाईकोर्ट के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपने वेतन से गबन की गयी राशि , देय तिथि तक वास्तविक ब्याज के साथ उपलब्ध कराने का निवेदन किया है। जस्टिस विभु दत्त गुरु की बैंच ने प्रकरण की सुनवाई के दौरान यह पाया कि याचिकाकर्ता के वेतन से सीजीपीए की राशि की कटौती हुई है, परन्तु वह याचिकाकर्ता के सीजीपीएफ खाते में जमा नहीं हुई है। इस पर कोर्ट ने राज्य शासन को चार सप्ताह के भीतर स्थिति स्पष्ट करने का आदेश जारी करते हुए सुनवाई की अगली तिथि तीस जून तय कर दी।

व्याख्याता ने हाईकोर्ट में खुद की पैरवी

बिलासपुर, मंगलवार 19 मई 2026 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष तृतीया | वर्ष : 26, अंक : 58 | पृष्ठ : 10+6+8= 24 मूल्य : 5.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

कोलीफार्म बैक्टीरिया की शून्य होनी चाहिए उपस्थिति

सरकारी रिपोर्टों में यह चिंताजनक खुलासा हुआ है कि सीवरेज और पेयजल पाइपलाइनों में लीकेज के कारण शुद्ध पानी में इ-कोली जैसे घातक बैक्टीरिया मिल चुके हैं। विभाग ने कड़े निर्देश दिए हैं कि पेयजल में कोलीफार्म बैक्टीरिया की उपस्थिति 'शून्य' होनी चाहिए। यदि किसी भी जल स्रोत के सैंपल में यह बैक्टीरिया पाया जाता है, तो वहां से पानी की आपूर्ति तत्काल रोक दी जाएगी और वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर टैंकरों से पानी भेजा जाएगा।

निगम आयुक्त पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएमओ को निर्देश

नलों में 'घातक' बैक्टीरिया का खतरा, अब हर बस्ती के घरों से लिए जाएंगे पानी के सैंपल

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के शहरी इलाकों में भीषण गर्मी के बीच जल जनित बीमारियों के खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने सख्त तेवर अपना लिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने एक विस्तृत एडवाइजरी जारी कर स्पष्ट किया है कि पेयजल की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए अब सीधे आम नागरिकों के घरों से पानी के नमूने लिए जाएंगे। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी निगम आयुक्त, पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएमओ को निर्देश भेजा है।

अधिकारियों की जवाबदेही तय

ग्रीष्मकालीन पेयजल संकट से निपटने के लिए नगर निगमों में आयुक्त और नगर पालिकाओं में मुख्य नगरपालिका अधिकारी को 'नोडल अधिकारी' नियुक्त किया गया है। इन्हें प्रतिदिन प्राप्त होने वाली शिकायतों की खुद समीक्षा करनी होगी। विभाग ने यह भी साफ कर दिया है कि पाइपलाइन के अंतिम छोर तक क्लोरीन की सही मात्रा सुनिश्चित की जाए और इसकी नियमित प्रविष्टि 'गूगल शीट' पर अपडेट की जाए।

बस्तियों से रोज लिए जाएंगे सैंपल

पानी की गुणवत्ता पर निगरानी रखने के लिए सरकार ने त्रि-स्तरीय जांच प्रणाली लागू की है। अब केवल वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट या स्टोरेज टंकियों तक ही जांच सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रत्येक बस्ती के कम से कम दो से तीन घरों से प्रतिदिन पानी के सैंपल लें। इन नमूनों की जांच लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की लैब में अनिवार्य रूप से की जाएगी, ताकि यह पता चल सके कि उपभोक्ता के नल तक पहुँचते-पहुँचते पानी दूषित तो नहीं हो रहा है।

जल स्रोतों के पास नहाना-धोना प्रतिबंधित

बीमारियों की रोकथाम के लिए सरकार ने सार्वजनिक जल स्रोतों के आसपास मानवीय गतिविधियों पर भी लगाम लगा दी है। नए नियमों के मुताबिक, किसी भी जल स्रोत के समीप कपड़ा धोने, नहाने या बर्तन मांजने का कार्य पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा, जो हैंडपंप दूषित पानी उगल रहे हैं, उनके हैंडल निकालकर उन्हें लाल रंग से पेंट करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि लोग अनजाने में उनका उपयोग न करें।

यूरोप भारत में करेगा 100 अरब डॉलर का निवेश, मिलेंगी 10 लाख नौकरियां

प्रधानमंत्री की नॉर्वे यात्रा, अंतरिक्ष से लेकर आर्कटिक तक समझौते

एजेंसी ▶▶| ओस्लो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नॉर्वे के अपने समकक्ष जोनास गहर स्टोर के साथ व्यापार और निवेश, हरित प्रौद्योगिकी, नीली अर्थव्यवस्था और अन्य प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए बातचीत की। पीएम मोदी ने ओस्लो में नॉर्वे के पीएम योनास स्टोरे के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछले साल भारत और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन देशों के बीच ऐतिहासिक व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता लागू हुआ था। ▶▶|शेष पेज 6 पर

पहलगाम हमले पर एकजुटता दिखाने पर थैंक्यू बोला

पीएम मोदी ने आगे कहा, मैं पिछले वर्ष नॉर्वे आने वाला था, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के कारण वह यात्रा स्थगित करनी पड़ी। उस कठिन समय में नॉर्वे ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत के साथ मजबूती से खड़े होकर सच्ची मित्रता का परिचय दिया।

पीएम मोदी को नॉर्वे का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

ओस्लो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सोमवार को नॉर्वे के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट' से सम्मानित किया गया। मोदी को यह सम्मान भारत-नॉर्वे संबंधों को आगे बढ़ाने में उनके योगदान और उनके नेतृत्व के लिए दिया गया। यह प्रधानमंत्री मोदी को मिला 32वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। नॉर्वे के राजा हेराल्ड पंचम ने प्रधानमंत्री मोदी को 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट' प्रदान किया।

पीएम मोदी ने नॉर्वे की जमकर की तारीफ

इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, नॉर्वे की यात्रा करके मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह देश नेचर और ह्यूमन प्रोग्रेस के बीच हार्मनी का एक सुंदर उदाहरण है। सबसे पहले, मैं प्रधानमंत्री का इस आत्मीयता भरे स्वागत के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। और कल नॉर्वे के संविधान दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर, मैं विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की ओर से, नॉर्वे जैसे सुदृढ़ और जीवंत लोकतंत्र की जनता को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

नीट पेपर लीक मामले में दो बड़ी कार्रवाई, एनटीए से सवाल-जवाब करेगी संसदीय समिति

एनटीए के चेयरमैन तलब, लातूर के कोचिंग संचालक पर कसा सीबीआई का शिकंजा

नीट पेपर लीक मामले में हर दिन कार्रवाई हो रही है। संसद की एक समिति ने एनटीए अध्यक्ष प्रदीप कुमार जोशी और अन्य नौकरशाहों को सवाल-जवाब के लिए बुलाया है। इधर, सीबीआई ने महाराष्ट्र के लातूर से केमिस्ट्री कोचिंग के संचालक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर को 4 दिन की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया है। नीट पेपर लीक मामले यह 10वीं गिरफ्तारी है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सीबीआई ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा- स्नातक (नीट यूजी) प्रश्नपत्र लीक मामले में रेणुताई करियर सेंटर (आरसीसी) के संस्थापक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर को गिरफ्तार किया है। सीबीआई के अधिकारियों ने बताया कि रविवार को सीबीआई ने मोटेगांवकर के आवास की तलाशी ली थी और उस दौरान उसके मोबाइल फोन से मेडिकल प्रवेश परीक्षा का लीक हुआ प्रश्न पत्र मिला, इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि मोटेगांवकर नीट यूजी प्रश्नपत्र को लीक करने और प्रसारित करने में शामिल संगठित गिरोह का सक्रिय सदस्य था। ▶▶|शेष पेज 6 पर

■ कोर्ट में पेशी के बाद नौ दिन की हिरासत में शिवराज रघुनाथ

महाराष्ट्र के लातूर से केमिस्ट्री कोचिंग के संचालक गिरफ्तार

रेणुताई केमिस्ट्री कोचिंग पर छापेमारी

शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर का लातूर समेत 7 जिलों में रेणुताई केमिस्ट्री क्लासेस (आरसीसी) नाम का कोचिंग सेंटर है। रविवार को सीबीआई ने आरसीसी के मेन ऑफिस पर छापा मारकर कई डॉक्यूमेंट्स और इलेक्ट्रॉनिक सामान भी जब्त किया। इससे पहले 15 मई को मोटेगांवकर से उसके लातूर स्थित घर पर 8 घंटे पूछताछ की थी। बताया जा रहा है कि कोचिंग सेंटर का 100 करोड़ रुपए का टर्नओवर है। सीबीआई का आरोप है कि मोटेगांवकर ने सेंटर में नीट कैंडिडेट्स समेत कई लोगों को हाथ से लिखे नोट्स लीक उपलब्ध कराए। परीक्षा के बाद नोट्स को नष्ट किया गया।

पर्सनल मोबाइल से बरामद हुआ पेपर

सीबीआई ने अदालत को बताया कि कोचिंग संचालक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर को रविवार शाम लातूर से गिरफ्तार किया गया था। उसकी तलाशी के दौरान 3 मई को हुए परीक्षा के लीक हुए प्रश्न पत्र की कॉपी उनके पर्सनल मोबाइल फोन से बरामद हुई है।

समान सवालों से बढ़ा शक

रेणुताई केमिस्ट्री क्लासेस पर शक तब और गहरा हो गया जब सीबीआई को एक गंभीर शिकायत मिली। शिकायत में दावा किया गया कि आरसीसी इंस्टीट्यूट के मॉक टेस्ट पेपर के कई सवाल नीट 2026 के असली प्रश्नपत्र से मिलते-जुलते पाए गए हैं। इसी बीच एक सोशल मीडिया वीडियो भी सामने आया, जिसमें संस्थान प्रमुख छात्रों से पूछते दिख रहे हैं कि मॉक टेस्ट के कितने सवाल असली परीक्षा में आए, जिस पर छात्र सकारात्मक जवाब देते नजर आते हैं। हर साल करीब 40 हजार छात्र यहां नीट और जेईई की तैयारी के लिए दाखिला लेते हैं।

सुधारों और नीट पेपर लीक पर चर्चा करेगी संसदीय समिति

संसद की एक समिति ने एनटीए में सुधारों के कार्यान्वयन के साथ-साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी पेपर लीक मामले की समीक्षा करने का फैसला किया है। एनटीए अध्यक्ष प्रदीप कुमार जोशी और अन्य नौकरशाहों को सवाल-जवाब के लिए बुलाया है। राज्यसभा के एक नोटिस में कहा गया है कि शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी संसद की स्थायी समिति 21 मई को कथित पेपर लीक और एनटीए में सुधारों पर शिक्षा मंत्रालय के शीर्ष नौकरशाहों से बात करेगी।

इधर, प्रधान के खिलाफ कांग्रेस का विशेषाधिकार हनन का नोटिस

राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन को भेजे गए नोटिस में रमेश ने कहा कि मेडिकल नीट परीक्षा रद्द होने के बाद 15 मई को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा संबंधी संसद की स्थायी समिति के खिलाफ कुछ 'अपमानजनक' टिप्पणियां कीं। कांग्रेस नेता ने सोमवार एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि नियमों के नियम 187 के तहत विशेषाधिकार के प्रश्न का नोटिस दिया है।

खबर संक्षेप

मेडिकल छात्र ने छात्रावास से कूदकर दे दी जान

इंदौर। इंदौर में शासकीय महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के एक स्नातकोत्तर छात्र ने छात्रावास की छठी मंजिल से कथित तौर पर छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान अमन पटेल (28) के रूप में हुई है। पटेल मूलतः जबलपुर के निवासी थे। इंदौर के महाविद्यालय से एमडी (मेडिसिन) की पढ़ाई कर रहे थे।

सिलेंडर से आग, परिवार के नौ सदस्य झुलसे

बांदा/कानपुर। फतेहपुर जिले में कल्याणपुर थाना क्षेत्र के पिलखनी गांव में खाना बनाते समय रसोई गैस सिलेंडर से लगी आग में एक ही परिवार के नौ लोग झुलसे गए। घायलों में एक सात माह का बच्चा भी शामिल है। रविवार रात करीब नौ बजे संतोष लोधी की पत्नी कलावती (40) खाना बना रही थी, तभी अचानक रसोई गैस के पाइप से गैस रिसाव होने की वजह से आग लग गई।

दो बाइक की टक्कर में तीन की मौत, एक घायल

छिंदवाड़ा। मप्र के छिंदवाड़ा जिले में दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। हनोतिया रोड पर यह हादसा हुआ। जुन्नारदेव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दो लोगों को मृत लाया गया जबकि एक अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान चंद्रभान, सोनू और चमन यादव (16) के रूप में हुई है।

अतिक्रमणधारियों ने वन अमले को घेरा

उदंती टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर पर किया हमला

» मौके पर भारी पुलिसबल तैनात

» उपनिदेशक ने कहा- स्थिति कंट्रोल में है और सभी सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक वरूण जैन और वन विभाग की टीम पर सोमवार को अतिक्रमणकारियों ने जानलेवा हमला कर दिया। घटना उदंती अभ्यारण के कोर जोन अंतर्गत सीतानदी रेंज के जैतपुरी गांव की बताई जा रही है। वन विभाग की टीम एवं पुलिस यहां अतिक्रमणकारियो के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची थी। दरअसल उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के भीतर बड़े पैमाने ▶▶|शेष पेज 6 पर

कार्रवाई रहेगी जारी : जैन

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक वरूण जैन ने बताया की अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान जो हमला किया गया है उसमें सभी सुरक्षित है। पूरी स्थिति कंट्रोल में ले लिया गया है।

क्या है मामला

जानकारी के मुताबिक, अभयारण्य प्रशासन ने पिछले दिनों कोर क्षेत्र में अतिक्रमण के मामलों को लेकर 166 अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की थी। सभी के विरुद्ध वन अपराध का मामला दर्ज कर नोटिस तमिल किया गया था। कुछ ने जवाब दिया था, पर बयान दर्ज नहीं हुआ था। मामले में दो नोटिस के बाद आरोपियों ने अग्रिम जमानत याचिका लगाया था, जो खारिज हो गया।

जंगल को बचाने लगातार कार्रवाई

ज्ञात हो कि यह पूरा विवाद लगभग एक लाख पेड़ो की अवैध कटाई और जंगल में अवैध अतिक्रमण का है। उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक वरूण जैन लगातार कार्रवाई करते हुए जंगल को अतिक्रमणमुक्त कराने लगे हुए हैं।

कपड़े धोने गई थी महिला बड़ी बेटी ने तैरकर बचाई अपनी जान

घोघरा डैम में डूबने से गर्भवती और मासूम बेटी की गई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुरनगर

पत्थलगांव थाना क्षेत्र के ग्राम बालाझार स्थित घोघरा डैम में रविवार दोपहर हुए एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। डैम में नहाने के दौरान गहरे पानी में डूबने से एक गर्भवती महिला और उसकी 8 वर्ष की मासूम बेटी की मौत हो गई। बड़ी बेटी ने तैरकर अपनी जान बचाई और घटना की जानकारी परिजन को दी। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

एक झटके में उजड़ गया परिवार

इस हृदयविदारक हादसे ने मृतका के पति इमानवेल तिग्गा और पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। परिवार ने एक ही घटना में पत्नी, गर्भ में पल रहे बच्चे और मासूम बेटी को खो दिया।

सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाए

घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि डैम के खतरनाक हिस्सों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए। लोगों ने चेतावनी बोर्ड लगाने, बैरिकेडिंग कराने और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने की मांग की है, ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

परिजन ने शव रखकर एनएच पर किया प्रदर्शन

कार ने सड़क किनारे मौजूद दो युवकों को कुचला, मौत

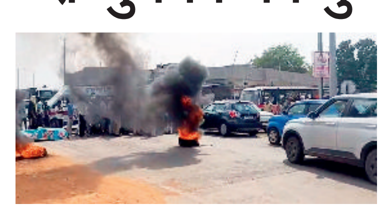

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

बीती रात एनएच 130 पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे कार की टायर में हवा दाल रहे युवक समेत दो लोगों को कुचल दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी की दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि घटना के ▶▶|शेष पेज 4 पर

मुआवजा व सीसीटीवी लगाने की मांग

सोमवार को घटना में मारे गए युवकों के परिजन ने एनएच 130 पर पर शव रखकर चक्का जाम कर दिया। आक्रोशित स्थानीय लोगों और परिजन ने सांडबार बेरियर के समीप शव को सड़क पर रखने के साथ ही टायर जलाकर दोपहर ढाई बजे धरना प्रदर्शन शुरू किया।

केरलम में सतीशन के नेतृत्व वाली नई सरकार

पहली बार सीएम के साथ पूरी कैबिनेट ने ली शपथ

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

केरलम में वाम मोर्चे को सत्ता से बेदखल कर 10 साल के बाद फिर से कांग्रेस नीत यूडीएफ की सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले वी.डी. सतीशन ने सोमवार को यहां सेंट्रल स्टेडियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। सतीशन के 20 सदस्यीय मंत्रिमंडल को भी राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शपथ दिलाई। करीब 60 साल में केरल में ऐसा पहली बार है, जब मुख्यमंत्री के साथ पूरी कैबिनेट ने ▶▶|शेष पेज 6 पर

14 विधायक पहली बार बने मंत्री

केरलम की कैबिनेट में 14 विधायकों ने पहली बार मंत्री पद की शपथ ली। इसमें सीपी जॉन और एन शमसुद्दीन, केएम शाजी, पीके बशीर और वीई अब्दुल गफूर, पीसी विष्णुनाथ, रोजी एम जॉन, बिंदु कृष्णा, टी सिद्दीकी, केए थुलसी और ओजे जनीश शामिल हैं। कांग्रेस ने स्पीकर और डिप्टी स्पीकर पद भी अपने पास रखे हैं।

22 को विस अध्यक्ष का चुनाव

केरलम विधानसभा में विधायकों का शपथ ग्रहण के बाद 22 मई को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। राज्यपाल का नीतिगत संबोधन 29 मई को निर्धारित है, और राज्य का बजट 5 जून तक पेश किए जाने की संभावना है।

शपथ लेते ही दी सौगात

सतीशन ने कहा कि सरकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के मासिक मानदेय में 1,000 रुपए की वृद्धि करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूलों में खाना बनाने वाले कर्मचारियों को अतिरिक्त 1,000 रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे और प्री-प्राइमरी शिक्षकों तथा आया के मानदेय में भी 1,000 रुपये की बढ़ोतरी की जाएगी।

सीएम शुभेंदु के पीए की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रकांत रथ की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी माने जा रहे राजकुमार सिंह को सोमवार को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि सिंह को सीबीआई की एक टीम ने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से गिरफ्तार किया। अधिकारी के निजी सहायक रथ की छह मई को मध्यग्राम में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह घटना पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा के दो दिन बाद हुई थी। पश्चिम बंगाल सरकार के अनुरोध के बाद सीबीआई ने पश्चिम बंगाल पुलिस से रथ की हत्या मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है।

चिंतन

ऊर्जा सुरक्षा देश की पहली प्राथमिकता

वैश्विक राजनीति, युद्ध और आर्थिक प्रतिस्पर्धा के इस दौर में ऊर्जा सुरक्षा किसी भी देश की स्थिरता और विकास की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। ऐसे में भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह रूस से तेल खरीद बंद करने नहीं जा रहा है, चाहे अमेरिका की विशेष छूट समाप्त ही क्यों न हो जाए। यह केवल एक आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च रखने की नीति का स्पष्ट संकेत है। सरकारी प्रवक्ता ने तो यहां तक दावा किया है कि हम रूस से तेल खरीदते थे, खरीदते हैं और खरीदते रहेंगे। यह एक तरह से अमेरिका की धमकी का सीधा जवाब है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह ऊर्जा सुरक्षा को लेकर किसी के दबाव में नहीं आएगा। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी भी पांच देशों के दौरे पर हैं। उन्होंने भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व में यूएई का कच्चा तेल स्टोर करने और भारत को तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) व प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए यूएई के साथ समझौता किया है, वहीं नॉर्वे के साथ भी ग्रीन स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप की शुरुआत की गई है, जिसके तहत जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा, समुद्री अर्थव्यवस्था (ब्लू इकॉनमी) और ग्रीन शिपिंग जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई ऊंचाइयां दी जाएंगी। इससे सरकार ने साफ कर दिया है ऊर्जा सुरक्षा देश की पहली प्राथमिकताओं में शामिल है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश है। देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, उद्योग और आम जनता की दैनिक जरूरतें ऊर्जा पर ही आधारित हैं। यदि तेल और गैस की आपूर्ति में बाधा आती है तो उसका सीधा असर महंगाई, उत्पादन और आम आदमी की जिंदगी पर पड़ता है। ऐसे में सरकार का प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में ऊर्जा की उपलब्धता लगातार बनी रहे और कीमतों में अनावश्यक उछाल न आए। रूस-यूक्रेन और अमेरिका-इजराइल व ईरान युद्ध के बाद वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी अस्थिरता देखी गई। पश्चिमी देशों ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए, लेकिन भारत ने इस मुद्दे पर संतुलित और व्यावहारिक नीति अपनाई। भारत ने स्पष्ट किया कि वह अपने नागरिकों और अर्थव्यवस्था के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेगा। रूस से रियायती दरों पर मिलने वाला कच्चा तेल भारत के लिए आर्थिक रूप से लाभकारी साबित हुआ है। इससे देश को ऊर्जा लागत नियंत्रित रखने में मदद मिली और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती कीमतों का असर कुछ हद तक कम हुआ। अमेरिका द्वारा दी गई विशेष छूट समाप्त होने के बाद भी भारत का रूस से तेल आयात जारी रखने का निर्णय यह दर्शाता है कि भारत अब वैश्विक दबावों से प्रभावित होकर नहीं, बल्कि अपनी रणनीतिक जरूरतों के आधार पर फैसले ले रहा है। देश में गैस और तेल की उपलब्धता बनी रहे इसके लिए सरकार तमाम प्रयास कर रही है। देश में बढ़ती महंगाई आमजन को परेशान कर सकती है, लेकिन भारत की आबादी को देखते हुए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत कठिन है। हमारी डिमांड और खर्च ज्यादा है। ऐसे में सरकार के प्रयास सराहनीय हैं। लोगों को भी सरकार का सहयोग करना चाहिए और ऊर्जा संरक्षण में अपनी महती भूमिका निभानी चाहिए। दुनिया के तमाम छोटे बड़े देश तेल और गैस संकट से जूझ रहे हैं ऐसे में भारत सरकार के प्रयास काफी सराहनीय हैं।

नया खतरा
महेन्द्र तिवारी

सेल्फी का दुरुपयोग भी संभव

सेल्फी लेकर तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपलोड करने का उद्देश्य अपनी खुशियों और अनुभवों को दुनिया के साथ साझा करना होता है। इन चित्रों के माध्यम से लोग अपनी भावनाएं, जीवनशैली और व्यक्तिगत उपलब्धियां समाज तक पहुंचाते हैं। परंतु, तकनीक की तीव्र गति ने अब इन चित्रों को केवल सुंदर स्मृतियों तक सीमित नहीं रखा है। आज यही तस्वीरें हमारी व्यक्तिगत पहचान और वित्तीय सुरक्षा के लिए एक अत्यंत गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। विशेष रूप से एआई के निरंतर बढ़ते प्रभाव ने अंतरजाल आधारित अपराधों को एक सर्वथा नया और चिंताजनक मोड़ दे दिया है। सुरक्षा विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि हमारे दूरभाष या चित्र-यंत्र से ली गई एक सामान्य सी तस्वीर से भी किसी व्यक्ति की उंगलियों के निशान चोरी किए जा सकते हैं।

आधुनिक युग में विभिन्न सामाजिक मंचों पर अपने जीवन के विशेष क्षणों को साझा करना मानवीय व्यवहार का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। जब कोई व्यक्ति किसी मनोरम स्थान की यात्रा पर जाता है, मित्रों के साथ आनंदमय समय बिताता है, या प्रतिदिन अपनी नई तस्वीरें अपलोड करता है, तो उसका उद्देश्य अपनी खुशियों और अनुभवों को दुनिया के साथ साझा करना होता है। इन चित्रों के माध्यम से लोग अपनी भावनाएं, जीवनशैली और व्यक्तिगत उपलब्धियां समाज तक पहुंचाते हैं। परंतु, तकनीक की तीव्र गति ने अब इन चित्रों को केवल सुंदर स्मृतियों तक सीमित नहीं रखा है। आज यही तस्वीरें हमारी व्यक्तिगत पहचान और वित्तीय सुरक्षा के लिए एक अत्यंत गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के निरंतर बढ़ते प्रभाव ने अंतरजाल आधारित अपराधों को एक सर्वथा नया और चिंताजनक मोड़ दे दिया है।

वर्तमान समय में सुरक्षा विशेषज्ञ यह चेतावनी दे रहे हैं कि हमारे दूरभाष या चित्र-यंत्र से ली गई एक सामान्य सी तस्वीर से भी किसी व्यक्ति की उंगलियों के निशान चोरी किए जा सकते हैं और भविष्य में उनका अवांछित दुरुपयोग पूरी तरह संभव है। वर्तमान समय में अत्याधुनिक साधन किसी भी धुंधली तस्वीर को अत्यधिक स्पष्ट और सघन बनाने में सक्षम हैं। तस्वीरों की बारीक रेखाओं को साफ करना, उनके विस्तार को बढ़ाना और उनमें छिपे अत्यंत सूक्ष्म स्वरूपों को पहचानना अब इन प्रणालियों के लिए बहुत सरल हो चुका है। यही कारण है कि मानवीय उंगलियों के पोरों पर पाई जाने वाली अद्वितीय और अत्यंत बारीक रेखाएं भी अब इलेक्ट्रॉनिक विश्लेषण के माध्यम से आसानी से निकाली जा सकती हैं। अंतरजाल सुरक्षा विशेषज्ञ ली चांग ने अपने हालिया प्रदर्शनों में यह प्रमाणित करके दिखाया है कि उच्च गुणवत्ता वाली साधारण तस्वीरों से भी पूरी तरह उपयोग में लाए जा सकने वाले उंगलियों के निशान प्राप्त किए जा सकते हैं। इस सुरक्षा संकट से जुड़े वैज्ञानिक अध्ययनों और आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो यह स्थिति और भी भयावह प्रतीत होती है। सुरक्षा विशेषज्ञों के विश्लेषण के अनुसार, यदि कोई तस्वीर लगभग 1.5 मीटर की दूरी से ली गई हो और उपकरण के चित्र-यंत्र की गुणवत्ता उत्तम स्तर की हो, तो उस चित्र से उंगलियों के निशान शत-प्रतिशत स्पष्टता के साथ प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यदि तस्वीर 1.5 से 3 मीटर की दूरी से भी ली गई हो, तब भी आधुनिक एआई प्रणालियों की सहायता से उंगलियों के लगभग 50 प्रतिशत तक के रेखा-स्वरूप को सफलतापूर्वक निकाला जा सकता है। यद्यपि सामान्य जन के लिए यह एक साधारण सा आंकड़ा लग सकता है, परंतु अंतरजाल अपराध और पहचान की चोरी करने वाले अपराधियों के लिए इतनी आंशिक जानकारी भी अत्यंत विनाशकारी सिद्ध हो सकती है। जापान के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने कई वर्ष पूर्व ही इस विषय पर गहन शोध करके दुनिया को सचेत किया था कि इस प्रकार की मुद्राओं वाली तस्वीरों से उंगलियों के निशानों को बहुत सुगमता से पढ़ा जा सकता है। अब जब एआई की शक्ति कई गुना बढ़ चुकी है, तब इस तकनीकी खतरे की गंभीरता पहले की तुलना में कहीं

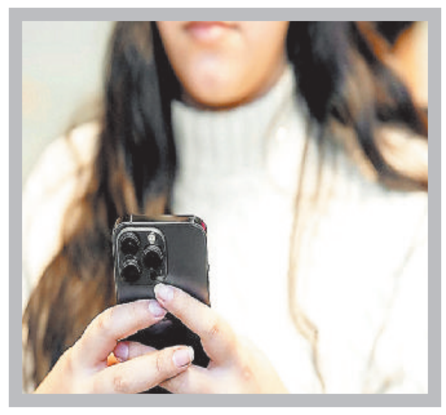

अधिक व्यापक हो चुकी है। उंगलियों के निशानों के लीक होने का यह संकट किसी भी सामान्य कूटशब्द की चोरी से अत्यधिक गंभीर माना जाता है। यदि किसी उपयोगकर्ता का कोई कूटशब्द या गोपनीय संख्या चोरी हो जाती है, तो वह तत्काल उसे बदलकर एक नया और सुदृढ़ कूटशब्द निर्मित कर सकता है। इसके विपरीत, मनुष्य की उंगलियों के निशान उसके संपूर्ण जीवनकाल में अपरिवर्तनीय रहते हैं। कोई भी व्यक्ति अपनी उंगलियों के प्राकृतिक निशानों को बदल नहीं सकता है। यही मुख्य कारण है कि इस प्रकार के जैव-पहचान संबंधी आंकड़ों का दुरुपयोग किसी भी व्यक्ति के लिए दीर्घकालिक समस्या उत्पन्न कर सकता है। एक बार यदि किसी अपराधी समूह या अवांछित प्रणाली के पास किसी नागरिक की उंगलियों के निशानों का सटीक रेखा-स्वरूप पहुंच जाता है, तो वह अपराधी भविष्य में कई वर्षों तक उस व्यक्ति के नाम पर विभिन्न प्रकार के वित्तीय अपराध करने का प्रयास कर सकता है। आज संपूर्ण विश्व में आधुनिक दूरभाष, संगणक, बैंकिंग सेवाएं, सरकारी प्रणालियां और उच्च सुरक्षा वाले संस्थान उंगलियों के निशानों पर आधारित पहचान प्रणाली पर पूरी तरह निर्भर हो चुके हैं। अधिकांश कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए इन जैव-पहचान उपकरणों का ही उपयोग किया जाता है। इसके साथ ही हवाई अड्डों, सीमा सुरक्षा चौकियों और अन्य संवेदनशील राष्ट्रीय संस्थानों में भी पहचान की पुष्टि के लिए उंगलियों के निशानों का उपयोग निरंतर बढ़ रहा है। ऐसी संवेदनशील व्यवस्था में यदि किसी निर्दोष नागरिक की जैव-पहचान संबंधी गोपनीय जानकारी गलत हाथों में चली जाती है, तो उसके परिणामस्वरूप पहचान की चोरी, गंभीर बैंकिंग धोखाधड़ी, बैंक खातों से धन की अवैध निकासी और प्रतिबंधित क्षेत्रों में अनधिकृत प्रवेश जैसी अत्यंत विकट समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। एआई पर आधारित इस तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नित नए शोधों से कुछ और चौंकाने वाले तथ्य भी सामने आए हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों में यह देखा गया है कि मशीन पर आधारित आधुनिक कलन विधियां अब ऐसे कृत्रिम अथवा नकली उंगलियों के निशान भी तैयार कर सकती हैं जो विभिन्न सुरक्षा उपकरणों को भ्रमित करने में सक्षम हैं। वैज्ञानिकों ने प्रयोगशालाओं में ऐसे कृत्रिम और एआई जनित निशानों को विकसित करने में सफलता पाई है जिन्हें कुछ संवेदनशील सुरक्षा प्रणालियों ने वास्तविक मानकर स्वीकार कर लिया। यह उभरती हुई स्थिति स्पष्ट संकेत देती है कि आने वाले समय में अंतरजाल सुरक्षा की चुनौतियां मानवीय कल्पना से भी अधिक जटिल और बहुआयामी होने वाली हैं। हालांकि, इस विषय के दूसरे पहलू को स्पष्ट करते हुए विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि सामाजिक माध्यमों पर डाली गई प्रत्येक तस्वीर से तत्काल कोई बैंक खाता अवरुद्ध नहीं हो जाता और न ही हर सामान्य चित्र इतना बड़ा संकट उत्पन्न करता है। अंतरजाल अपराधी सदैव हमारी असावधानी और सुरक्षा तंत्र की कमजोरियों की ताक में रहते हैं, इसलिए इस आभासी संसार में निरंतर सतर्कता ही हमारी सबसे बड़ी रक्षा कवच है। अंततः, यह तकनीक का युग है जो मानव जीवन को सुगम बनाने के साथ-साथ नई चुनौतियां भी दे रहा है। आज एक साधारण सा स्व-चित्र केवल एक सुंदर दृश्य नहीं है, बल्कि वह हमारी अत्यंत निजी जानकारी का स्रोत भी बन सकता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के लाभों का सहर्ष उपयोग करें, किंतु उसके छिपे हुए खतरों के प्रति भी समान रूप से सजग रहें। थोड़ी सी सतर्कता हमें भविष्य के किसी बड़े नुकसान से बचा सकती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

सम्मान से सुशासन

बलकार सिंह पूनियां

पंचायतों की लगातार बदलती विकास यात्रा

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की जड़ें गांवों में स्थित ग्राम पंचायतों में निहित हैं। संसद और विधानसभाएं राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर लोकतंत्र को दिशा देती हैं, परंतु लोकतंत्र की वास्तविक आत्मा गांवों में ही जीवित रहती है। भारतीय संविधान के 73वें संशोधन के माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर स्थानीय स्वशासन को सशक्त बनाया गया। इसका उद्देश्य केवल प्रशासनिक विकेंद्रीकरण नहीं था, बल्कि ग्रामीण समाज को विकास प्रक्रिया का सहभागी बनाना था। आज राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 और पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 यह सिद्ध करते हैं कि पंचायतें अब केवल योजनाओं के क्रियान्वयन की इकाइयां नहीं, बल्कि सुशासन, सामाजिक न्याय और सतत विकास की अग्रणी संस्थाएं बन चुकी हैं। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय द्वारा घोषित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 के अंतर्गत देशभर की 42 पंचायतों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान केवल उपलब्धियों की औपचारिक स्वीकृति नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत में उभरती उत्तरदायी और पारदर्शी शासन संस्कृति का प्रमाण है। कर्नाटक को छह पुरस्कार तथा आंध्र प्रदेश और ओडिशा को पांच-पांच पुरस्कार प्राप्त होना इस तथ्य को दर्शाता है कि विभिन्न राज्यों की पंचायतें स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप नवाचारी विकास मॉडल प्रस्तुत कर रही हैं। यह इस बात का संकेत है कि यदि पंचायतों को सही संसाधन, नेतृत्व और जनसहभागिता मिले, तो वे विकास की नई इबारत लिख सकती हैं। इन पुरस्कारों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्हें सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण से जोड़ा गया है। गरीबी-मुक्त एवं उन्नत आजीविका पंचायत, स्वस्थ पंचायत, बाल-हितैषी पंचायत, जल-पर्याप्त पंचायत, स्वच्छ एवं हरित पंचायत, सामाजिक न्याय पंचायत, महिला-हितैषी पंचायत तथा आत्मनिर्भर आधारभूत संरचना जैसी श्रेणियां यह स्पष्ट करती हैं कि पंचायतों की भूमिका अब केवल सड़क, नाली और बिजली तक सीमित नहीं रही। अब पंचायतों से अपेक्षा की जा रही है कि वे समग्र ग्रामीण विकास का नेतृत्व करें और सामाजिक, आर्थिक तथा पर्यावरणीय प्रगति सुनिश्चित करें। विशेष रूप से महिला-हितैषी पंचायतों को सम्मानित किया जाना ग्रामीण समाज में बढ़ते महिला नेतृत्व का संकेत है। पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी ने निर्णय प्रक्रिया को अधिक संवेदनशील और जनोन्मुख बनाया है। आज अनेक महिला सरपंच शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण जैसे विषयों पर उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। इसी प्रकार सामाजिक न्याय पंचायतों को पहचान देना यह दर्शाता है कि विकास केवल आर्थिक उन्नति नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन और समान अवसर सुनिश्चित करने की प्रक्रिया भी है।पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 भारतीय ग्रामीण शासन व्यवस्था में एक ऐतिहासिक पहल है। यह पंचायतों का केवल प्रशासनिक मूल्यांकन नहीं करता, बल्कि आंकड़ा-आधारित पारदर्शी और जवाबदेह शासन को बढ़ावा देता है। वित्तीय वर्ष 2023–24 की रिपोर्ट के अनुसार 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 2,59,867 ग्राम पंचायतों एवं पारंपरिक स्थानीय निकायों ने सत्यापित आंकड़े प्रस्तुत किए। लगभग 97.3 प्रतिशत भागीदारी यह सिद्ध करती है कि पंचायतों में डिजिटल शासन और जवाबदेही के प्रति विश्वास बढ़ रहा है। यह ग्रामीण भारत में डेटा-आधारित योजना निर्माण की नई संस्कृति को भी दर्शाता है। रिपोर्ट का महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि पंचायतों का मूल्यांकन अब केवल प्रक्रियाओं के आधार पर नहीं, बल्कि विकासात्मक परिणामों के आधार पर किया जा रहा है। अग्रणी श्रेणी में 3,635 ग्राम पंचायतों का शामिल होना और लगभग 1,18,824 पंचायतों का प्रदर्शनकारी श्रेणी में आना यह बताता है कि पंचायतें विकास की नई परिभाषा गढ़ रही हैं। गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य सुधार, जल संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण जैसे मानकों पर उनका प्रदर्शन मापा जा रहा है। गरीबी-मुक्त एवं उन्नत आजीविका पंचायत श्रेणी में हजारों पंचायतों की सफलता विशेष उल्लेखनीय है। यह दर्शाता है कि स्थानीय स्तर पर रोजगार, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी प्रयास हुए हैं। स्वयं सहायता समूहों, कृषि आधारित उद्यमों और मनरेगा जैसी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। इसी प्रकार स्वस्थ पंचायत श्रेणी में पंचायतों की उपलब्धियां यह दर्शाती हैं कि अब पंचायतें स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण और स्वच्छता जैसे विषयों पर भी प्रभावी हस्तक्षेप कर रही हैं। पंचायतों की सफलता केवल ग्रामीण भारत की सफलता नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती और सतत विकास की पहचान भी है।

(लेखक इग्नू में सहायक आचार्य ग्रामीण विकास विभाग हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ज्ञान, भक्ति व कर्म की पूर्णता श्रीराम

संकलित
दर्शन

उपदेश जब ग्रंथ से दिया जाएगा तो लिखने के काम आएगा, जब पढ़कर दिया जाएगा तो सुनने के काम आएगा। उपदेश जब जीवन में चरितार्थ हो जाएगा, तब स्वाभाविक रूप से ग्राह्य और अनुकरणीय हो जाएगा। श्रीरामचरितमानस में लीला और चरित्र दोनों चरितार्थ हैं, जिसमें उपदेश दिया नहीं गया, चरितार्थ करके दिखाया गया है। चरितार्थ भी ऐसे हुआ है कि जिसमें चमत्कार और अप्रासंगिकता नहीं है। भगवान राम ने अपना कोई मूल्यांकन नहीं किया, पर दूसरे के हर कार्य की प्रशंसा की, उन्हें उत्साहित किया। ज्ञान की समझ, भक्ति-भावना और कर्म की शैली में यदि व्यावहारिकता नहीं है, तब साधक के जीवन में ज्ञान, भक्ति और कर्म की त्रिपुटी केवल प्रदर्शन योग्य ही रह जाएगी। उसका शुद्ध प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा। इस सर्वांगीण पूर्णता के साथ पृथ्वी पर मात्र भगवान राम ही अवतरित हुए, जिनका मानवोचित गुणों का निर्वहन करते हुए भी स्वयं का सत, चित, और आनंद स्वरूप अपने शुद्ध स्वरूप में बना रहा। ज्ञान की व्यावहारिकता है कि किसी से कुछ इच्छा न रखे और सब में एक ही ब्रह्म का साक्षात्कार करे। भक्ति की व्यावहारिकता है कि संसार के सारे संबंधों का आधार भगवान को माने। सहज संतोषी स्वभाव हो। मन में कुटिलता न हो। कर्म की व्यावहारिकता यह है कि व्यक्ति स्वयं को सेवक माने। संसार के लोगों के शुभ और सत्कर्मों की प्रशंसा अवश्य करे। भगवान श्रीराम ने स्वयं में कोई गुण नहीं देखा, अपितु दूसरे के अवगुणों में भी गुण पक्ष को ग्रहण कर उसका उपयोग लोकहित में किया।

ज्ञान पाना चाहते हैं तो अहंकार छोड़ दें

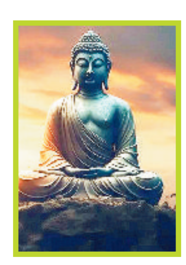

संकलित
प्रेरणा

गौतम बुद्ध यात्रा करते रहते थे और बीच-बीच में जहां ठहरते थे, वहां अपने शिष्यों को और अन्य लोगों को उपदेश दिया करते थे। बुद्ध के साथ उनका एक शिष्य हमेशा रहता था। उसका नाम था आनंद। एक दिन बुद्ध प्रवचन दे रहे थे और उस समय आनंद ने पूछा कि तथागत, आप जब प्रवचन देते समय ऊंची जगह पर बैठते हैं और सुनने वाले नीचे बैठते हैं, ऐसा क्यों है? बुद्ध ने आनंद की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आनंद पहले तुम ये बताओ कि क्या तुमने कभी किसी झरने से पानी पिया है? आनंद बोला कि हां, मैंने झरने से पानी पिया है। इसके बाद बुद्ध ने फिर पूछा कि तुमने पानी कैसे पिया? आनंद ने बुद्ध को बताया कि झरना ऊपर से बह रहा था और मैंने झरने के नीचे खड़े होकर पानी पिया था। बुद्ध ने आनंद से कहा कि बस यही तुम्हारी बात का जवाब है। अगर हम झरने से पानी पीना चाहते हैं तो हमें उस झरने के नीचे ही खड़े रहना पड़ेगा। ठीक इसी तरह प्रवचन भी एक झरने की तरह है। जहां ज्ञान का झरना बहाने वाला ऊंची जगह पर बैठते हैं और जो लोग ज्ञान के झरने का पान करना चाहते हैं, वे नीचे बैठते हैं। दरअसल, ज्ञान पाने का सबसे पहला नियम ये है कि हमें अहंकार छोड़ना पड़ेगा। नीचे बैठने से हमारे स्वभाव में जो विनम्रता आती है, अहंकार दूर होता है। इसके बाद ही हम किसी की ज्ञान की बातें ठीक से समझ पाते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

तिलहन उत्पादन बढ़ाने की जरूरत

प्रधानमंत्री ने भारतवासियों को खाने वाले तेल की मात्रा खाने में कम करने की अपील की है, क्योंकि इसका ज्यादा प्रयोग हमारे देश के धन को दूसरे देशों में भेजने में मदद करता है, हमारे देश में लगभग 60 प्रतिशत के करीब खाद्य तेल विदेशों से आता है, इनमें मुख्यतः ब्राजील, इंडोनेशिया आदि देश हैं। इसलिए सरकार ने अब देश में तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष योजनाओं को अमल में लाने पर काम शुरू कर दिया है। लेकिन सवाल तो यह है कि आज तक इसके बारे मे क्यों गंभीरता नहीं दिखाई गई? यह तभी कामयाब होगा जब कृषि विभाग, किसान इसे कामयाब करने के लिए गंभीरता दिखाएंगे, तो देश में किसी भी खाने वाले तेल के दाम आसमान न छू पाएं और इनका ज्यादा से ज्यादा निर्यात करें, जिससे भारत की आर्थिक स्थिति पर भी सकारात्मक असर पड़े और किसानों की आय भी बढ़े। **-संतोष पटेल, धमतरी**

करंट अफेयर

ईरानी नोबेल पुरस्कार विजेता नरगिस की अस्पताल से छुट्टी

ईरान की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को दो सप्ताह से अधिक समय तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद सोमवार को तेहरान के एक अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उनके समर्थकों ने यह जानकारी दी। मोहम्मदी (54) को घर पर ही रहने और आगे की देखभाल और दैनिक फिजियोथेरेपी कराने की सलाह दी गयी है। मोहम्मदी के बेहोश हो जाने के बाद एक मई को उन्हें आपातकालीन स्थिति में जेल से उत्तर पश्चिमी ईरान के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लगभग 10 दिन बाद उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया और तेहरान के अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां विशेषज्ञों ने उनकी जांच की। उन्हें 2023 में जेल में रहते हुए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मोहम्मदी को अपने करियर में कई बार जेल जाना पड़ा है। उनकी नवीनतम कैद दिसंबर में शुरू हुई जब उन्हें उत्तरपूर्वी ईरानी शहर मशहद में गिरफ्तार किया गया था। उनके परिवार ने कहा है कि जेल में उसकी सेहत बिगड़ रही थी, जिसका एक कारण यह था कि गिरफ्तारी के दौरान उसकी जमकर पिटाई की गई थी। उन्हें मार्च में दिल का दौरा पड़ा था और जेल जाने से पहले से ही उनके फेफड़े में खून का थक्का जमा हुआ था, जिसके प्रबंधन के लिए रक्त पतला करने वाली दवाओं और निगरानी की आवश्यकता होती है।

ऑफ बीट

मनुष्यों के लिए खतरनाक हो सकती है भीषण गर्मी

गर्मी हर साल हजारों लोगों को चुपचाप निगल रही है और यह दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। उत्तरी गोलार्द्ध में अत्यधिक गर्मी को लेकर मीडिया की रिपोर्टिंग स्पष्ट है : रिकॉर्ड तोड़ गर्मी ने मानव अस्तित्व को खतरे में डाल दिया है। एक अनुमान है कि 'ब्रिटेन तीन दशकों में अत्यधिक गर्म हो सकता है' जो निश्चित तौर पर 97 प्रतिशत मानवता के लिए चिंता का विषय है जो ब्रिटेन के मुकाबले अधिक गर्मी वाले स्थानों पर रहते हैं। अच्छी खबर यह है : ब्रिटेन के लोगों को 2050 तक स्वीडन नहीं जाना पड़ेगा। बुरी खबर है : पहले ही जानलेवा गर्मी है जो बदतर होती जा रही है और जल्द ही एक बहुत बड़ी समस्या बन सकती है। गर्मी चुपचाप लोगों की जान ले रही है और यह अन्य किसी प्राकृतिक आपदा के मुकाबले अधिक संख्या में मौतों के लिए जिम्मेदार है। हाल के दशकों में यूरोप में भीषण गर्मी ने हजारों लोगों की जान ली है। विकासशील देशों में मृतकों की संख्या की उचित तरीके से गिनती नहीं की गयी है और संभवतः मृतकों की संख्या कहीं अधिक है। लेकिन कुछ इससे भी बुरा होने वाला है और हमें इसके लिए तैयार रहने की आवश्यकता है। अब पृथ्वी पर औसत सतह तापमान सर्वोच्च स्तर पर है। हाल में पड़ी भीषण गर्मी वैश्विक ताप वृद्धि के निशान छोड़ती है जो बाढ़ या सूखे जैसे जलवायु परिवर्तन के किसी भी असर से कहीं ज्यादा है।

ट्रेंड

जन्मदिन की बधाई

एच.डी. देवेगौड़ा को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में राष्ट्र के लिए उत्कृष्ट योगदान दिया है। वह नीतिगत मुद्दों की गहरी समझ और वंचितों की सेवा के प्रति अपने समर्पण के लिए जाने जाते हैं। हम उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हैं। **-नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

तय जगह पर पढ़ें नमाज

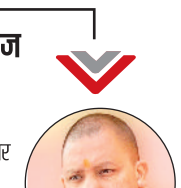

नमाज पढ़नी है तो तय जगह पर पढ़िए। संख्या ज्यादा है तो शिफ्ट में पढ़ लीजिए। हम नमाज नहीं रोकेंगे, लेकिन सड़क पर अराजकता नहीं होने देंगे। सड़कें नमाज पढ़ने या किसी तरह की भीड़ जुटाने के लिए नहीं हैं। **-योगी आदित्यनाथ,** सीएम, यूपी

सहकर्मियों का पुनर्मिलन

जब नेतागण केरल पहुंचे तो ऐसा लगा जैसे "दोस्तों और सहकर्मियों का पुनर्मिलन" हो रहा हो। माहौल में आशा, ऊर्जा और उत्साह स्पष्ट रूप से व्याप्त है। यही ऊर्जा तब और भी प्रबल होगी जब हम सब मिलकर अपने सबसे बड़े साझा लक्ष्य की ओर काम करेंगे। **-ए. रेवंत रेड्डी,** सीएम, तेलंगाना

गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं

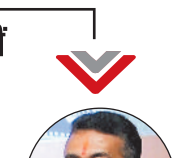

मैं स्पष्ट संदेश दे रहा हूं कि इस तरह की अशांति, गुंडागर्दी और राष्ट्रविरोधी, समाजविरोधी गतिविधियों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम ऐसी चीजों को जारी नहीं रहने देंगे। **-शुभेंदु अधिकारी,** सीएम, पश्चिम बंगाल

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

Top University Rank #No. 1
in Chhattisgarh for four years. by UniRank

ITM University®
ITM UNIVERSITY
#NO. 1 UNIVERSITY IN CG.

Campus: Atal Nagar-Nava Raipur, Uparwara, Chhattisgarh.

LEARN
ENJOY
GROW
SUCCEED

Join ITM University - NAAC (B+) Accredited #1 University in Chhattisgarh

Why ITM University?

100%	25	950+	10,000+
Job Placement Assistance	Global Collaborations	Corporate Recruiters	Alumni Network

- Opportunity to get placed in Tier-I cities of India.
- Industry experienced professors.
- Bus services from Raipur, Durg, Bhilai & Rajim.
- 25 Acres of lush green campus
- Modern Infrastructure with Hi-Tech labs.

Strategic partnerships

Entrepreneurship Cell IIT Kharagpur · IIA Aviation · Maruti Suzuki · Fpt University · RR Ispat · Swayam · NISM National Institute of Securities Markets · CII Confederation of Indian Industry · Grant Thornton · Tally Power of Simplicity

Awards & Ranking

- Innovation Leader 4 Star Rating in ARIIA & IIC Rankings
- Academic Excellence Consistent A3 Band achievement in OBE Rankings.
- Titanium + Recognition by R-World Institutional Ranking (India) 2026.

Some of our Top Recruiters

IDBI Bank · Jaquar Lighting · Godrej · Hyatt · Radisson Hotel · Muthoot Finance · IndusInd Bank · airtel · PlanetSpark · ITC Limited

FREE
Invitation for
TOPPERS
Ki mehfil

Scored 75% & Above?
Get ready to be Celebrated like a STAR!
Campus experience along with the felicitation ceremony, inspiring sessions & exciting fun activities
20th May, 2026 • 10:00 am onwards

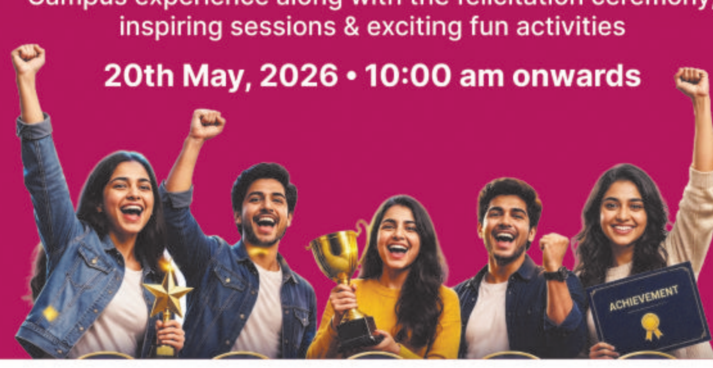

Admissions Open 2026

BBA
- Marketing
- Finance
- Human Resource
- Digital Marketing
- Entrepreneurship

BBA in Banking & Finance

BBA in Logistics & Supply Chain Management

B.Com (Hons.)
- Banking
- Entrepreneurship
- Marketing
- Finance

B.Tech CSE.
- CTIS : Cloud Technology & Information Security
- AIML : (Artificial Intelligence & Machine Learning)
- Data Science

B. Tech Lateral Entry
Eligibility: A valid diploma in any branch of engineering.

BCA in CTIS & MAIS
CTIS : Cloud Technology & Information Security
MAIS : Mobile Application & Information Security

MCA

MBA
- Human Resource
- Marketing
- Finance
- Business Analytics
- Entrepreneurship and Family Business

BBA LL.B (Hons.)

LL.M.

B.Sc. HTM
Hospitality and Tourism Management

BBA in International Hospitality Management

B.A. (Hons.)
- Psychology

Ph.D. In various disciplines

Placement Highlights

- 12 LPA IDBI Bank
- 6.5 LPA Jaquar Lighting
- 5 LPA IndusInd Bank
- 5 LPA airtel
- 6.5 LPA PlanetSpark
- International Placement DUBAI Grand Hyatt

For Free Counselling: 84520 19710
Admission enquiry: 98265 98201 / 02

Admission Offices
Raipur : 3rd Floor, Shyam Plaza, Pandri, Raipur, C.G.
Bhilai : Shop No. 172, Chouhan Estate, G.E. Road, Bhilai. C.G.

SCAN THE CODE TO APPLY ONLINE

90 की मौत के बाद डब्ल्यूएचओ ने जारी की हेल्थ इमरजेंसी

भारत ने एयरपोर्ट पर बढ़ाई निगरानी, अभी यहां नहीं है एक भी मामला

दुनिया में इबोला का खौफ... जारी किया गया ग्लोबल अलर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अफ्रीका में इबोला वायरस एक बार फिर से तेजी से फैल रहा है। इतना ज्यादा कि डब्ल्यू यानी वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन को इसे दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ इमरजेंसी घोषित करना पड़ा। 300 से ज्यादा लोग बीमार हो चुके हैं और करीब 90 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में अभी कोई मामला नहीं है, लेकिन सरकार और डॉक्टर सतर्क हो गए हैं। अफ्रीका के दो देशों, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ कांगो यानी डीआरसी और युगांडा में इबोला वायरस तेजी से फैल रहा है। वहां 300 से ज्यादा लोगों में इबोला के लक्षण मिले हैं और करीब 90 लोगों की मौत हो गई है। इसे देखते हुए डब्ल्यू ने इसे पीएचईआईसी यानी अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। सीधे शब्दों में कहें तो यह दुनिया का सबसे ऊंचा हेल्थ अलर्ट होता है, जो तब जारी होता है जब कोई बीमारी सिर्फ एक देश तक सीमित न रहकर पूरी दुनिया के लिए खतरा बन सकती है।

■ हिंदुस्तान में पहले आ चुका है एक मामला

तीसरी बार जारी हुआ वैश्विक एलर्ट

यह तीसरी बार है जब इबोला की वजह से यह अलर्ट जारी हुआ है। इससे पहले 2014 में वेस्ट अफ्रीका में हुए भयानक इबोला आउटब्रेक में 11,000 से ज्यादा लोगों की जान गई थी। तब भी डब्ल्यू ने यही अलर्ट जारी किया था। फिर 2019 में डीआरसी में दोबारा यह अलर्ट लगाना पड़ा था।

भारत को क्यों होनी चाहिए चिंता? : भारत में अभी इबोला का कोई मामला नहीं है। लेकिन दुनिया आज इतनी जुड़ी हुई है कि कोई भी बीमारी किसी भी देश में पहुंच सकती है। हवाई यात्रा से कोई भी वायरस घंटों में एक देश से दूसरे देश पहुंच सकता है। इसलिए एयरपोर्ट में निगरानी बढ़ा दी गई है। भारत में पहले भी एक मामला आ चुका है। नवंबर 2014 में दिल्ली में एक 26 साल के युवक में इबोला पाया गया था, जो लाइबेरिया से लौटा था। उस वक्त सरकार ने तुरंत उसे अलग किया, सभी संपर्कों की जांच की और बीमारी को फैलने से रोक दिया।

भारत ने उठाए एहतियाती कदम

भारत सरकार की संस्था नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल यानी एनसीडीसी इस पूरी स्थिति पर नजर रख रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक रिव्यू मीटिंग भी की, जिसमें देश की तैयारियों, एयरपोर्ट स्क्रीनिंग और अगर कोई मामला आए तो क्या करना है, इन सब बातों पर चर्चा हुई। सरकार ने जो कदम उठाए हैं उनमें अफ्रीकी देशों से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट पर कड़ी स्क्रीनिंग, संदिग्ध मरीज को तुरंत अलग करना, डॉक्टरों और नर्सों को पूरी सुरक्षा किट पहनना और हाथ धोने सहित साफ-सफाई का पालन शामिल है। मेदांता के डॉ. रणदीप गुलेरिया, ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन अस्पतालों को अलर्ट रहना होगा। खासकर उन मरीजों के लिए जो विदेश से आए हों और जिन्हें अचानक बुखार या ब्लीडिंग जैसे लक्षण हों।

यह है इबोला, ऐसे फैलता है यह

इबोला वायरस एक अत्यंत संक्रामक और जानलेवा वायरस है जो मनुष्यों और प्राइमेट्स (बंदरों, चिंपांजी) में 'इबोला वायरस रोग' पैदा करता है। यह संक्रमित व्यक्ति या जानवर के रक्त, लार, पसीने, उल्टी या मल-मूत्र के सीधे संपर्क में आने से तथा संक्रमित वस्तुएं जैसे वायरस से दूषित सुई या कपड़ों को छूने से यह फैलता है। आमतौर पर वायरस के संपर्क में आने के 2 दिन से 3 सप्ताह के भीतर लक्षण दिखने लगते हैं। इबोला से संक्रमित होने पर अचानक तेज बुखार और अत्यधिक थकान, सिर, मांसपेशियों और गले में दर्द, उल्टी, दस्त और पेट में दर्द, त्वचा पर चकत्ते होते हैं।

खबर संक्षेप

पेस की मां और ओलंपियन जेनिफर का हुआ निधन

नई दिल्ली। भारतीय महिला बास्केटबॉल टीम की पूर्व कप्तान और ओलंपियन जेनिफर पेस का 17 मई को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। जेनिफर 72 वर्ष की थीं और वह भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस की मां थीं। परिवार के एक सूत्र ने बताया, 'वह कैंसर से गंभीर रूप से पीड़ित थीं और उन्होंने रविवार को अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार आज कोलकाता के सेंट थॉमस चर्च में हुआ।' उनका जन्म का नाम जेनिफर डटन था और वह प्रसिद्ध बंगाली कवि और नाटककार माइकल मधुसूदन दत्त की वंशज थीं।

शिकागो : सड़क हादसे में भारतीय छात्रा की मौत

शिकागो। अमेरिका के शिकागो के पास सड़क हादसे में 25 वर्षीय भारतीय छात्रा नव्या गडुसु की मौत हो गई। हादसे में 6 अन्य लोग घायल हुए हैं। हादसा शनिवार देर रात इंडियाना राज्य के लेक काउंटी में इंटरस्टेट-65 हाईवे पर हुआ। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नव्या गडुसु को रात 12:16 बजे मृत घोषित किया गया। लेक काउंटी कोरोनर ऑफिस ने बताया कि उनकी मौत सड़क हादसे में लगी गंभीर चोटों की वजह से हुई। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह पीड़ित परिवार के संपर्क में है। कांसुलेट ने एक्स पर लिखा, 'हम भारतीय छात्रा नव्या गडुसु की सड़क हादसे में मौत से बेहद दुखी हैं। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं उनके परिवार और दोस्तों के साथ हैं।' इंडियाना स्टेट पुलिस के मुताबिक, हादसा शनिवार रात करीब 11:15 बजे हुआ।

जस्टिस नागरत्ना-भुइयां की बेंच ने कहा- यूएपीए में भी बेल ही नियम

'खालिद-शरजील की जमानत' अपने ही फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई आपत्ति

सुप्रीम कोर्ट की दो जजों वाली बेंच ने सोमवार को उमर खालिद और शरजील इमाम को ज़मानत देने से इनकार करने वाले अपने ही एक फैसले पर सवाल उठाए। दोनों पर दिल्ली दंगा मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए के तहत आरोप लगाए गए हैं।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जस्टिस बी. वी. नागरत्ना और उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा कि जनवरी में दिया गया फैसला यूएपीए मामलों में तय ज़मानत सिद्धांतों से अलग था। इन सिद्धांतों में व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सबसे ऊपर माना गया है और कहा गया है कि आतंकवाद से जुड़े मामलों में भी 'बेल नियम है और जेल अपवाद', खासकर तब जब मुकदमा लंबे समय तक लंबित हो. बेंच ने 2021 के केए नजीब फैसले का हवाला दिया, जिसमें तीन जजों की बेंच ने कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत त्वरित सुनवाई का अधिकार यूएपीए के आरोपियों पर भी लागू होगा। इसका मतलब यह है कि अगर मुकदमे में बिना वजह और बहुत ज्यादा देरी हो रही हो, तो यूएपीए के आरोपी को भी ज़मानत मिल सकती है। पहली नज़र में उसके खिलाफ मामला नहीं बनता। जबकि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के सामान्य मामलों में ऐसा नहीं होता।

जनवरी में दिया गया फैसला बताया तय ज़मानत सिद्धांतों से अलग

दो जजों का फैसला अस्वीकार्य

दिल्ली दंगों से संबंधित गुलफिशा फातिमा मामले में दो न्यायाधीशों की पीठ द्वारा दिए गए फैसले को अस्वीकार करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि इसमें के. ए. नजीब मामले में दिए गए फैसले का ठीक से पालन नहीं किया गया है जिसमें यूएपीए के तहत मामलों में लंबे समय तक मुकदमे में देरी को जमानत का आधार माना गया था। दिल्ली दंगा मामले में शीर्ष अदालत ने कई आरोपियों को जमानत दे दी थी लेकिन छात्र नेता उमर खालिद और शरजील इमाम को यह राहत नहीं मिली थी।

ऐतिहासिक है 2021 में दिया गया फैसला

शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि के.ए. नजीब मामले में उसका फैसला बाध्यकारी कानून है और अधीनस्थ अदालतों, उच्च न्यायालयों या यहां तक कि उच्चतम न्यायालय की अधीनस्थ पीठों द्वारा भी इसे कमजोर, दरकिनार या नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। के. ए. नजीब मामला यूएपीए के तहत जमानत के संबंध में 2021 में दिया गया उच्चतम न्यायालय का एक ऐतिहासिक फैसला है।

यह है मामला

जनवरी में उमर खालिद और शरजील इमाम को ज़मानत देने से इनकार करने वाली बेंच ने कहा था कि दोनों की स्थिति बाकी आरोपियों से 'गुणात्मक रूप से अलग' है। इसलिए उन्हें केए नजीब फैसले के सिद्धांतों का लाभ नहीं दिया गया। हालांकि, जस्टिस अरविंद कुमार की अगुवाई वाली बेंच ने पांच अन्य आरोपियों को जमानत दे दी थी। उस बेंच ने कहा था कि उमर खालिद और शरजील इमाम 2020 के दंगों के मुख्य योजनाकार थे और उन्होंने दंगों की 'योजना, लोगों को जुटाने और रणनीतिक दिशा' देने में भूमिका निभाई थी। इसी वजह से उनके लिए ज़मानत पाना मुश्किल बताया गया था।

न्यायिक अनुशासन पर सुप्रीम कोर्ट की जोरदार टिप्पणी

बेंच ने इस बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई कि छोटी बेंचें बड़ी बेंचों के फैसलों का पालन नहीं कर रही हैं। अदालत ने कहा, 'खास तौर पर चिंता की बात यह है कि छोटी बेंचें बिना सीधे असहमति जताए, बड़ी बेंच के फैसलों की संवैधानिक ताकत को धीरे-धीरे कमजोर कर रही हैं।' कोर्ट ने याद दिलाया कि छोटी बेंचें बड़ी बेंचों के फैसलों को मानने के लिए बाध्य हैं। न्यायिक अनुशासन की मांग है कि ऐसे बाध्यकारी फैसलों का पूरी तरह पालन किया जाए या अगर कोई संदेह हो तो मामला बड़ी बेंच को भेजा जाए। छोटी बेंच बड़ी बेंच के फैसले को कमजोर, दरकिनार या नजरअंदाज नहीं कर सकती।

निगरानी के लिए बनाई अथॉरिटी

बढ़ेगा तेल संकट! होर्मुज में ईरान ने लागू की नई व्यवस्था

एजेंसी ▶▶| तेहरान

ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नई व्यवस्था लागू करने का ऐलान कर दिया है। नई अथॉरिटी बनाई है सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी कि सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल स्ट्रेट के प्रबंधन हेतु नया निकाय 'पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए)' बनाया गया है, जो समुद्री संचालन पर रियल टाइम निगरानी रखेगी।

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने एक्स पर लिखा, ' ईरान ने अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय व्यापार सुरक्षा की गारंटी के तहत स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में यातायात प्रबंधन के लिए एक पेशेवर तंत्र तैयार किया है, जिसे जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा। इस प्रक्रिया में केवल वाणिज्यिक जहाज और ईरान के साथ सहयोग करने वाले पक्ष ही लाभान्वित होंगे।' अजीजी के अनुसार, इस तंत्र के तहत विशिष्ट सेवाओं के लिए आवश्यक शुल्क भी लिया जाएगा। वहीं, यह मार्ग तथाकथित 'फ्रीडम प्रोजेक्ट' के संचालनकर्ताओं के लिए बंद रहेगा।

इधर, हथियार लेकर पहुंचे अमेरिकी विमान

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब पश्चिम एशिया में तनाव और समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। वहीं, इजरायली मीडिया की रिपोर्ट्स दावा कर रही हैं कि अमेरिकी विमान बड़ी मात्रा में हथियार लेकर इजरायल पहुंच गए हैं और इजरायली सेना को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है।

---

155 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी मामला

ईडी का बड़ा एक्शन, आप नेता सिंगला हुए गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के नेता दीपक सिंगला को 155 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि ये पूरी कार्रवाई महेश टिम्बर प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े 155 करोड़ रुपये के बैंक फ्रॉड मामले में की गई है। इस वित्तीय घोटाले के तार आम आदमी पार्टी के पहले से ही गिरफ्तार पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा से भी जुड़े हुए हैं। इसी कड़ी को जोड़ने और अहम सबूत जुटाने के लिए जांच एजेंसी ने ये पैन इंडिया ऑपरेशन चलाया और वित्तीय हेरफेर के पुख्ता सबूत मिलने के बाद आप नेता को हिरासत में ले लिया है। वहीं, ईडी की इस कार्रवाई पर आप प्रमुख केजरीवाल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

7 ठिकानों पर छापेमारी

सूत्रों ने बताया कि ईडी की टीम ने आज सुबह दीपक सिंगला, महेश सिंगला, अमरिक गिल और अन्य से जुड़े गोवा-दिल्ली में 7 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान मिले सबूतों के आधार पर सिंगला को गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, सिंगला को इस फ्रॉड में सीधे तौर पर शामिल बताया जा रहा है। दीपक के अलावा महेश सिंगला और अमरिक गिल के नाम भी इस मामले में सामने आया है। ईडी के अनुसार, आरोपी कंपनियों और व्यक्तियों ने बैंकों से धोखाधड़ी करके बड़ी राशि हड़प ली थी।

अंधाधुंध फायरिंग, मासूम समेत 10 को गोलियों से भूना

एजेंसी ▶▶| मेक्सिको

लैटिन अमेरिकी देश मेक्सिको में जारी गैंगवार और हिंसा का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। मेक्सिको के मध्य हिस्से में स्थित पुएब्ला राज्य से रविवार को एक बेहद दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां के तेहुइतजिंगो नगरपालिका क्षेत्र में अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग कर एक मासूम बच्चे सहित कम से कम 10 लोगों को मौत के घाट उतार दिया।

राज्य की खुफिया टीमें और जांच एजेंसियां घटना के पीछे की असली वजह और हमलावरों के मकसद का पता लगाने के लिए सबूत जुटा रही हैं। हमलावर वारदात को अंजाम देकर आसानी से फरार होने में कामयाब रहे। पुएब्ला राज्य के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह हमला बेहद योजनाबद्ध तरीके से किया गया था। हथियारबंद अपराधियों ने तेहुइतजिंगो में मौजूद पीड़ितों को निशाना बनाकर अचानक उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। इस खूनी खेल में छह पुरुषों, तीन महिलाओं और एक नाबालिग बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई।

मेक्सिको में दिल दहला देने वाली वारदात

अज्ञात हमलावर हैं फरार मंत्रालय ने कहा कि हमलावरों को दबोचने के लिए राज्य और संघीय सुरक्षा बलों ने मिलकर एक बड़ा और संयुक्त अभियान शुरू किया है। पूरे तेहुइतजिंगो और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा बलों की भारी तैनाती कर दी गई है और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

राशिफल

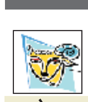
मेष — संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष — खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

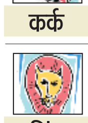
सिंह — कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या — कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

वृश्चिक — संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर — आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ — क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मीन — किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

शब्द पहेली - 6230

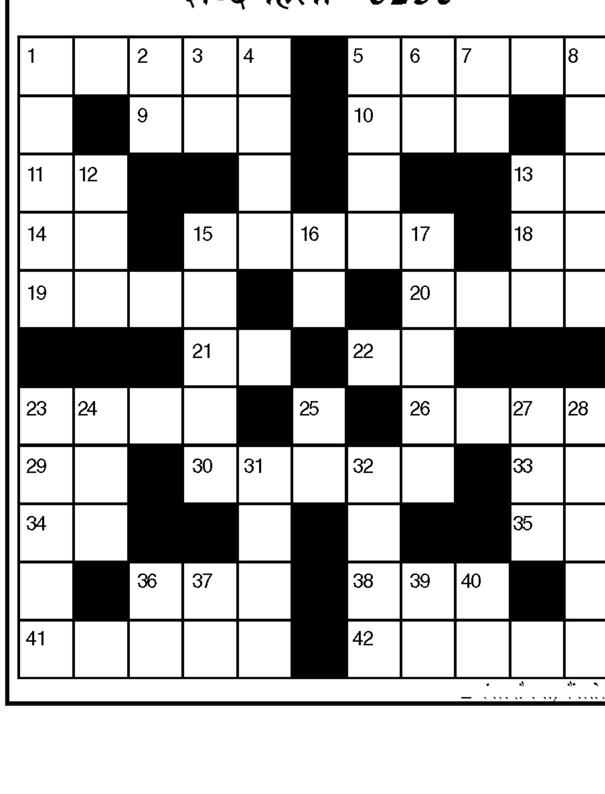

बाएँ से दाएँ
1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे
1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली- 6229 का हल

सा	ल	■	ब	ला	■	य	म	■	श	र
या	■	क	ल	■	जो	श	■	जा	य	ज
■	कै	द	■	श	र	■	का	न	न	■
न	दी	■	खे	मा	■	का	त	ना	■	जा
म	■	जा	ल	■	का	य	र	■	ता	ल
■	मा	न	■	र	म	ल	■	का	ला	■
का	या	■	बी	न	ना	■	रा	म	■	सी
र	■	क	ह	र	■	शो	र	■	बा	धा
■	की	च	ड़	■	सा	ला	■	री	त	■
क	म	रा	■	ख	र	■	सी	ता	■	द
म	त	■	जी	त	■	मा	मा	■	दा	म

सूडोकु नवताल 6240

★★★✩✩ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
■ *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
■ *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
■ *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल 6239 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

एआई 18 महीने में ऑफिस वाली सारी जॉब खत्म कर देगा, मेटा हेड की चेतावनी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

मेटा में एक बार फिर बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की खबरें सामने आ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी 20 मई को करीब 8,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल सकती है। यह संख्या कंपनी के कुल ग्लोबल वर्कफोर्स का लगभग 10 प्रतिशत बताई जा रही है।

दिलचस्प बात यह है कि कंपनी का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है। साल 2026 की पहली तिमाही में मेटा ने लगभग 26.8 बिलियन डॉलर का नेट इनकम दर्ज किया। इसके बावजूद कर्मचारियों का कहना है कि कंपनी के अंदर का माहौल "इतिहास में सबसे खराब" हो चुका है। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी अब इंसानी कर्मचारियों की जगह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई पर ज्यादा फोकस कर रही है।

मेटा में फिर 8000 कर्मचारियों को निकालने की आ रही है खबर, मेटा ने पहली तिमाही में 26.8 बिलियन डॉलर का नेट इनकम दर्ज किया

145 बिलियन डॉलर खर्च करेगी

मेटा की सीएफओ सुसान ली ने बताया कि कंपनी "लीन ऑपरेटिंग मॉडल" अपनाना चाहती है, ताकि एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले भारी खर्च को संभाला जा सके। मेटा ने अपनी हालिया अर्निंग कॉल में बताया कि कंपनी इस साल एआई पर 125 बिलियन डॉलर से लेकर 145 बिलियन डॉलर तक खर्च कर सकती है। यह खर्च पिछले साल के मुकाबले लगभग दोगुना है। कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने हाल ही में कर्मचारियों के साथ हुई मीटिंग में साफ कहा कि छंटनी की बड़ी वजह एआई पर बढ़ता खर्च है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि साल के दूसरे हिस्से में भी और छंटनी हो सकती है। इससे कर्मचारियों में चिंता और बढ़ गई है।

कर्मचारियों की निगरानी से बढ़ा विवाद : मेटा पर अब कर्मचारियों की निगरानी करने के आरोप भी लग रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी ने अमेरिका में कर्मचारियों के लैपटॉप पर एक खास सॉफ्टवेयर इंस्टॉल किया है। इस सिस्टम को "मॉडल केपीबिलिटी इनेटियेटिव कहा जा रहा है। यह कर्मचारियों के कीबोर्ड टाइपिंग, माउस मूवमेंट, स्क्रीनशॉट और जीमेल जैसी ऐप्स पर एक्टिविटी रिकॉर्ड करता है। बताया जा रहा है कि इस डेटा का इस्तेमाल एआई एजेंट्स को ट्रेन करने के लिए किया जाएगा, ताकि वे इंसानों की तरह काम कर सकें।

कर्मचारियों ने कहा- 'सिर्फ एग्जीक्यूटिव्स खुश हैं' : रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कंपनी के अंदर काम करने वाले कई मौजूदा और पूर्व कर्मचारियों ने माहौल को "टॉक्सिक" बताया है। इंस्टाग्राम से जुड़े एक कर्मचारी ने कहा कि "कंपनी में हर कोई परेशान है, सिर्फ टॉप एग्जीक्यूटिव्स को छोड़कर।"

एआई कर्मचारियों को करोड़ों के पैकेज

एक तरफ सामान्य कर्मचारियों की सैलरी कम हो रही है, वहीं दूसरी तरफ मेटा एआई एक्सपर्ट्स को भारी-भरकम पैकेज ऑफर कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ एआई रिसर्चर्स को 100 मिलियन डॉलर तक के पैकेज दिए जा रहे हैं। ये सभी लोग कंपनी के नए डिवीजन "मेटा सुपरइंटेलिजेंट लैब" के लिए भर्ती किए जा रहे हैं। यह टीम एआई की ग्लोबल रेस में मेटा को आगे रखने के लिए बनाई गई है। रिपोर्ट बताती है कि पिछले साल कंपनी के कर्मचारियों की औसत कुल सैलरी 417,400 डॉलर से घटकर 388,200 डॉलर रह गई। इससे कर्मचारियों में असमानता को लेकर नाराजगी और बढ़ गई है।

खबर संक्षेप

एनारॉक ग्रुप का राजस्व 25 प्रतिशत बढ़कर 946 करोड़

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की सलाहकार कंपनी एनारॉक ग्रुप का वित्त वर्ष 2025-26 में राजस्व 25 प्रतिशत बढ़कर 946 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि मजबूत आवासीय मांग और कार्यालय व खुदरा परिसरों को पट्टे पर देने की गतिविधियों में आई तेजी से यह वृद्धि हुई है। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 में राजस्व 755 करोड़ रुपये था।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने अनुषंगी जेएसडब्ल्यू स्टील के बेचे शेयर

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड के 2.5 करोड़ शेयर 3,150 करोड़ रुपये में बेचने की सोमवार को घोषणा की। लेनदेन 18 मई को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड पर थोक सौदे के जरिये किया गया। कंपनी के पास जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड के 4,50,38,350 शेयर शेष रह गए हैं।

जायडस वेलनेस का मुनाफा घटकर 162 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। जायडस वेलनेस लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 5.75 प्रतिशत घटकर 162 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध मुनाफा 171.9 करोड़ रुपये था। आय 1,484.7 करोड़ रुपये रही जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 913.1 करोड़ रुपये थी।

स्ट्राइड्स फार्मा के मुनाफे में 51 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। स्ट्राइड्स फार्मा साइंस लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 51 प्रतिशत बढ़कर 129.28 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष- 2024-25 की समान तिमाही में कंपनी ने 85.62 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। परिचालन आय बढ़कर 1,323.47 करोड़ रुपये रही।

पश्चिम एशिया संकट के कारण आयात लागत बढ़ने का असर

पश्चिम एशिया संकट से उर्वरक सब्सिडी 70,000 करोड़ रुपए बढ़ने की आशंका

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के कारण आयात लागत बढ़ने से वित्त वर्ष 2026-27 में देश का उर्वरक सब्सिडी खर्च करीब 70,000 करोड़ रुपये बढ़कर 2.41 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उर्वरक विभाग की अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस शर्मा ने अंतर-मंत्रालयी संवाददाता सम्मेलन के बाद संवाददाताओं से कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण सब्सिडी व्यय बढ़ेगा लेकिन यह तय नहीं है कि वृद्धि कितने प्रतिशत होगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या उर्वरक सब्सिडी में बढ़ोतरी 70,000 करोड़ रुपये तक हो सकती है, तो उन्होंने इसकी संभावना से इनकार नहीं किया।

उपलब्धता संतोषजनक स्तर पर बनी

अगर ऐसा होता है तो वित्त वर्ष 2026-27 में कुल उर्वरक सब्सिडी 2.41 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगी। इस साल के बजट में उर्वरक सब्सिडी के लिए 1.71 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। लागत संबंधी दबावों के बावजूद शर्मा ने कहा कि मौजूदा खरीफ सत्र के लिए उर्वरकों की उपलब्धता 'संतोषजनक' स्तर पर बनी हुई है।

13.5 लाख टन डीएपी की आपूर्ति सुनिश्चित

उर्वरक की खरीद के लिए गठजोड़ (कंसोर्टियम) बनाने की व्यवस्था के तहत देश ने लगभग 13.5 लाख टन डीएपी, सात लाख टन एनपीके कॉम्प्लेक्स तथा अमोनियम सल्फेट, फॉस्फेट और अन्य कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित की है।

उर्वरक सब्सिडी खर्च बढ़कर 2.41 लाख करोड़ रुपए पहुंचने का अनुमान

बजट में उर्वरक सब्सिडी के लिए 1.71 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान

मौजूदा खरीफ सत्र के लिए उर्वरकों की उपलब्धता 'संतोषजनक' स्तर पर बनी हुई

उर्वरकों का मौजूदा भंडार 200.9 लाख टन

कुल 390 लाख टन उर्वरक की जरूरत के मुकाबले 51 प्रतिशत से अधिक स्टॉक उपलब्ध है, जबकि बाकी जरूरत आयात के जरिये पूरी की जा रही है। उन्होंने बताया कि देश में उर्वरकों का मौजूदा भंडार 200.9 लाख टन है। घरेलू उत्पादन लगभग 80,000 टन प्रतिदिन की दर से चल रहा है। हालांकि, पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से अब तक उत्पादन 86.2 लाख टन रहा है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 93 लाख टन से थोड़ा कम है।

अब तक 22 लाख टन से अधिक उर्वरक देश में आ चुका

अधिकारी ने कहा, /"उर्वरक उत्पादन में कुछ कमी है, जिसे आने वाले महीनों में पूरा कर लिए जाने की हमें उम्मीद है। यूरिया संयंत्रों के लिए गैस की आपूर्ति पर्याप्त है। उर्वरक की आयात निर्भरता घटाने के मकसद से भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य की जगह वैकल्पिक मार्गों से आपूर्ति बढ़ाई है। अब तक 22 लाख टन से अधिक उर्वरक देश में आ चुके हैं।

अन्य कच्चे माल की उपलब्धता की समीक्षा

उर्वरक विभाग अन्य कच्चे माल की उपलब्धता की भी समीक्षा कर रहा है और सब्सिडी भुगतान एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली के जरिये साप्ताहिक आधार पर जारी किए जा रहे हैं। शर्मा ने कहा, /"कुल मिलाकर उर्वरक के मामले में स्थिति मजबूत, स्थिर और संतोषजनक है।/"

भारत, रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखेगा : अधिकारी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- यह खरीदारी अमेरिकी प्रतिबंधों में छूट से इतर होगी
- भारत ऊर्जा सुरक्षा जरूरतों के आधार पर खरीद जारी रखेगा

भारत ने सोमवार को कहा कि वह अमेरिकी प्रतिबंधों में छूट से इतर भी रूस से तेल खरीदता रहा है और आगे भी व्यावसायिक व्यवहार्यता तथा ऊर्जा सुरक्षा जरूरतों के आधार पर खरीद जारी रखेगा।

पेट्रोलियम मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने सम्मेलन में कहा, /"रूस पर अमेरिकी छूट के संबंध में मैं यह स्पष्ट करना चाहती हूं कि हम पहले भी रूस से तेल खरीदते रहे हैं... छूट से पहले भी, छूट के दौरान भी और अब भी खरीदते रहेंगे।/" शर्मा ने कहा कि भारत के कच्चे तेल खरीदने के फैसले मुख्य रूप से व्यावसायिक दृष्टिकोण और पर्याप्त आपूर्ति उपलब्धता पर आधारित होते हैं। हमारे लिए खरीदारी का आधार मूल रूप से व्यावसायिक समझ है। संयुक्त सचिव ने कहा कि कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है और दीर्घकालिक समझौतों के तहत पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा आयातक

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक और उपभोक्ता भारत, कम कीमतों का लाभ उठाने के लिए रूस से तेल खरीद में तेजी से वृद्धि कर चुका है। इससे घरेलू रिफाइनरियों को वैश्विक ऊर्जा लागत में बढ़ोतरी से निपटने में मदद मिली। अमेरिका और यूरोपीय देशों ने फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद रूस पर व्यापक प्रतिबंध लगाए थे। हालांकि, रूसी तेल पर प्रत्यक्ष प्रतिबंध नहीं लगाया गया।

आईटी शेयरों में खरीदारी से बाजार गिरावट से उबरा

एजेंसी ▸▸ मुंबई

- सेंसेक्स मामूली बढ़त के साथ बंद
- रुपए की कमजोरी ने भी बाजार की तेजी पर लगाया अंकुश

देश के प्रमुख शेयर सूचकांक सोमवार को अत्यधिक उतार-चढ़ाव वाले कारोबार के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। भारी गिरावट के बाद सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और चुनिंदा प्रमुख कंपनियों के शेयरों में खरीदारी आने से बाजार की स्थिति सुधरी।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और रुपये की कमजोरी ने बाजार की तेजी पर अंकुश लगाया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 77.05 अंक बढ़त के साथ 75,315.04 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,134.78 अंक टूटकर 74,180.26 अंक तक आ गया था। निफ्टी 6.45 अंक की हल्की बढ़त के साथ 23,649.95 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी ओर टाटा स्टील, पावरग्रिड, भारतीय स्टेट बैंक और एनटीपीसी के शेयरों में गिरावट रही। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा।

भूटान में टाटा पावर और डीजीपीसी के बीच करार

नई दिल्ली। टाटा पावर ने भूटान में 5,000 मेगावाट स्वच्छ ऊर्जा क्षमता विकसित करने के लिए प्रशिक्षण ढांचा तैयार करने हेतु ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन के साथ एक प्रारंभिक समझौता किया है। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम टाटा पावर स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के माध्यम से संचालित किए जाएंगे। टाटा पावर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक प्रवीर सिन्हा ने कहा, '' डीजीपीसी के साथ यह साझेदारी भूटान के बढ़ते स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र के लिए भविष्य के अनुरूप प्रतिभा परिवेश तैयार करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

अमेजन नाउ 1,000 आयशर इलेक्ट्रिक ट्रक करेगी तैनात

एजेंसी ▸▸ मुंबई

अमेजन इंडिया देश भर में अपनी त्वरित वाणिज्य सेवा 'अमेजन नाउ' के परिचालन को मजबूत करने के लिए साल 2028 तक लगभग 1,000 वोल्वो आयशर इलेक्ट्रिक ट्रक को तैनात करने की योजना बना रही है। इनमें से 50 ट्रक पहले ही परिचालन में शामिल किए जा चुके हैं। कंपनी ने कहा कि दैनिक परिचालन में ये ट्रक 100 से 180 किलोमीटर तक की दूरी तय करेंगे और विभिन्न केंद्रों के बीच कई चक्कर लगाएंगे। इन ट्रक को पूरी तरह चार्ज होने में करीब 50 मिनट का समय लगेगा। इन वाहनों की तैनाती दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु और मुंबई सहित प्रमुख शहरों में की जाएगी। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब अमेजन ने हाल ही में 'अमेजन नाउ' सेवा का विस्तार देश के 100 शहरों तक करने की योजना पेश की है। पिछले कैलेंडर वर्ष में अमेजन ने दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, मुंबई और कोलकाता जैसे शहरों में विभिन्न वाहन विनिर्माताओं के साथ मिलकर 100 से अधिक इलेक्ट्रिक ट्रक को तैनात किया था।

कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रथम निविदा विज्ञप्ति

नि.क्र.56/न.पा.नि./जोन क्र.08/2025-26 बिलासपुर दिनांक 18.05.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैन्युअल निविदा दिनांक 08.06.2026 तक आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का विवरण	राशि रु. (लाख में)	अमानत राशि
1	शासकीय हाई स्कूल बिराकोना में शौचालय मरम्मत कार्य।	0.80	2000.00
2	भगत सिंह शासकीय प्राथमिक शाला बंधवापारा सरकण्डा में छत मरम्मत एवं शौचालय मरम्मत कार्य।	0.80	2000.00
3	वार्ड क्र. 63 में पार्षद निधि से बोर खनन कार्य।	6.00	4500.00

निविदा से संबंधित अन्य जानकारी ज़ोन क्र.08 कार्यालय भवन सिटी बस डिपो प्रथम तल कोनी से अथवा निगम की वेबसाईट www.bilaspurnagarnigam.com से प्राप्त की जा सकती है।

वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान

कार्यपालन अभियंता, ज़ोन क्र.08
न.पा.नि. बिलासपुर (छ.ग.)

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION COMPANY LIMITED
(A Chhattisgarh Government Undertaking)(A Successor Company of CSEB)
OFFICE OF THE ADDITIONAL CHIEF ENGINEER (S&P) Dr.SPM TPS, KORBA EAST, DISTT: KORBA, PIN: 495677 (C.G.)
(An ISO: 9001-2015, ISO: 14001-2015, OHSMS ISO: 45001-2018, certified power station)PHONE NO.-(07759) 228501, TELEFAX-228501 E-mail:- sepnw.dspmke@cspc.co.in

E-TENDER NOTICE NO.-3228/2026

Online bids are invited by the undersigned through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from Experienced Contractors/bidders for the work as mentioned below for DSPM TPS, CSPGCL, Korba (East):-

S.N.	Tender Specification No.	RFx No. (E-Tender No.)	Particulars	Qty	Last Date/ Time of submission of bid.	E.M.D. (Rs)	Tender Cost
1.	16-06/DSPM TPS/S&P /AHP/T-3309/2025	8100051545	Work contract for security of ash pipe line from DSPM TPS plant to Ash Dyke of DSPM TPS CSPGCL, Korba East	As per tender schedule	04.06.2026 15:30 Hrs	11130/-	590/-

NOTES: (1)For more details, Tender Documents along with Annexures visit our website :-http://www. cspc.co.in > ebidding > ebidding web portal OR http://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal[Helpline no. 0771-2576672 (EITC, CSPDCL) between 11.00 AM to 05.30 PM on all working days]aAny Corrizendum / amendment, if required, shall be displayed on above website only.

SAVE ELECTRICITY

SUPERINTENDING ENGINEER (CONTRACT)
DSPM TPS: CSPGCL KORBA EAST

रॉयल एनफील्ड आंध्र प्रदेश में लगाएगी नया संयंत्र

एजेंसी ▸▸ मुंबई

दोपहिया विनिर्माता रॉयल एनफील्ड ने अपनी विस्तार रणनीति के तहत सोमवार को आंध्र प्रदेश में 2,500 करोड़ रुपये के निवेश से नया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की योजना की घोषणा की। आयशर मोटर्स समूह की कंपनी ने बयान में कहा कि उसने इस संयंत्र के लिए आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के ताडा औद्योगिक क्षेत्र में जमीन का अधिग्रहण किया है। इस संयंत्र पर 2,500 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। यह परियोजना कंपनी के निदेशक मंडल की मंजूरी के अधीन है और इसे भविष्य की मांग एवं बाजार परिस्थितियों के अनुरूप चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। चेन्नई स्थित कंपनी की वर्तमान उत्पादन क्षमता लगभग 14.6 लाख इकाई प्रति वर्ष है।

कार्यालय महाधिवक्ता छत्तीसगढ़
उच्च न्यायालय परिसर, बोदरी, बिलासपुर (छ.ग.)

विज्ञापन

आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तिथि 20.05.2026 से दिनांक 06.06.2026 सायं 5 बजे तक

दिनांक 14.05.2026

क्रमांक/स्थापना/18606/बिलासपुर छ.ग. शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग के पत्र क्रमांक 776/21-अ/स्था/2026 रायपुर, दिनाक 10.04.2026 के संदर्भ में, इस कार्यालय में निम्नांकित रिक्तियों की पूर्ति सीधी भर्ती से किये जाने हेतु निर्धारित योग्यता रखने वाले योग्य अभ्यर्थियों से उक्त पदों हेतु आवेदन पत्र पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट/कोरियर से दिनांक 06.06.2026 सायं 5:00 बजे तक इस कार्यालय में आमंत्रित किये जाते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर किसी भी स्थिति में विचार नही किया जावेगा।
रिक्तियों की संख्या पदनाम सहित प्रवर्गवार निम्नानुसार है-

क्र.	पद नाम	रिक्त पदों की संख्या	अनारक्षित		अनु. जाति		अनु. जनजाति		अन्य पिछडा वर्ग		कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या में से नि:शक्तजनों के लिए आरक्षित पद	योग
			मुक्त	महिला	मुक्त	महिला	मुक्त	महिला	मुक्त	महिला		
1	शीघलेखक (अंग्रेजी)	11 03 (बैकलॉक)	04	01	01	-	03 03		02	-	-	11 03
2	सहायक वर्ग-3	14	04	01	02	-	03	01	02	-	01 (LV/HH/OL/OH/OA)	14
	योग	28	08	02	03	-	09	01	04	-	01	28

नोट: पदों की सख्या बढ़ या घट सकती है और आरक्षित पदों की सख्या भी किसी भी समय बदल सकती है। यह विज्ञापन/भर्ती और नियुक्ति भारत के सर्वोच्च न्यायलय के S.L.P.(C) No. 19668/2022 के अतिम परिणाम के अधीन होगी। विज्ञापन संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए इच्छुक उम्मीदवार कार्यालयीन वेबसाइट https://advocategeneral.cgstate.gov.in/ पर अवलोकन कर सकते है।
(माननीय महाधिवक्ता महोदय द्वारा अनुमोदित)

जी. 262700795/2

(विद्या भूषण द्विवेदी)
अवर सचिव

कार्यालय नगर पंचायत कोटा जिला - बिलासपुर (छ.ग.)
E-Mail ID- cmokota@rediffmail.com

क्रमांक / 105 / निविदा/न.पं./2026-27 कोटा, दिनांक 18/05/2026

// द्वितीय मैन्युअल पद्धति निविदा सूचना//

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी D & Above में पंजीकृत ठेकेदारों से (PWD Building SOR-01.01.2015,) (PWD Road SOR-01.01.2025) पर नगर पंचायत कोटा में निम्नलिखित अधोसंरचना मद अंतर्गत निर्माण कार्य हेतु निविदा प्रपत्र A के द्वारा स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक से 03 लिफाफा पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 26.05.2026 शाम 5:00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र प्रदान करने की तिथि - 29.05.2026 शाम 5:00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय - 03.06.2026 शाम 3:00 बजे तक
4. निविदा प्रपत्र खोले जाने की तिथि एवं समय - 03.06.2026 शाम 4:00 बजे से

क्र	कार्य का नाम	मद का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि/निविदा प्रपत्र का मुल्य
01	वार्ड क्र. 01 सुनीता के घर से भागीरथी के घर तक एवं सामुदायिक भवन से शोभाराम के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	अधोसंरचना मद	6.72	5500/750
02	वार्ड क्र. 04 टावर के पास से देवरिहापारा बड़े तालाब तक एवं राजेन्द्र केंवट के घर से पहाड़ी ग्राउण्ड तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	अधोसंरचना मद	9.24	7000/750
03	वार्ड क्र. 05 पम्प हाऊस से उर्मिला के घर तक, राजकुमार के घर से पम्प हाऊस तक एवं मोहन नामदेव के घर से राजकुमार यादव के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	अधोसंरचना मद	8.96	7000/750
04	वार्ड क्र. 06 महामाया क्लाथ स्टोर से लास्ट तक एवं चंद्रशेखर गुप्ता के घर से भोला पाड़े के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	अधोसंरचना मद	8.86	7000/750
05	वार्डक्र. 07 बाजार परिसर में एवं दिलीप तिवारी के घर से सिनेमा हॉल तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	अधोसंरचना मद	9.43	7500/750
06	वार्ड क्र. 08 ठेंगा बाबा से अमर सिंह के घर तक एवं रुप्पू सायकल स्टोर से ठेंगा बाबा तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	अधोसंरचना मद	5.32	4000/750
07	वार्डक्र. 08 आनंद अग्रवाल के घर से कलावती तक आर.सी.सी. रोड क्रॉसींग एवं नाली निर्माण कार्य।	अधोसंरचना मद	4.82	3750/750
08	वार्ड क्र. 09 राजेश के घर से लास्ट तक एवं हनुमान मंदिर से जायसवाल गली तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	अधोसंरचना मद	9.24	7000/750
09	वार्ड क्र. 10 दुखी राम के घर से मेन रोड तक, मंच से सुरेश दुबे के घर तक, जोहन यादव के घर से मेन रोड तक एवं राजू वैष्णव के घर से संजय यादव के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	अधोसंरचना मद	9.05	7000/750
10	वार्ड क्र. 11 फूलचंद अग्रहरी के घर से आक्रोश त्रिवेदी के घर तक सी. सी. रोड निर्माण कार्य।	अधोसंरचना मद	7.98	6000/750
11	वार्ड क्र. 12 डॉ. मदन लाल अग्रवाल के घर से अंशु महराज के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	अधोसंरचना मद	2.56	2000/750
12	वार्ड क्र. 12 डॉ. मदन लाल अग्रवाल के घर से टेलर के घर तक आर. सी.सी. रोड क्रॉसींग एवं नाली निर्माण कार्य।	अधोसंरचना मद	8.16	6500/750
13	वार्ड क्र. 13 कॉलेज गेट से लतेलराम साहू के घर तक, रज्जाक खान के घर से कॉलेज रोड तक एवं गोविंद यादव के घर से दुपत बाई के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	अधोसंरचना मद	8.04	6500/750
14	वार्ड क्र. 14 रतनपुर मुख्य मार्ग से रजमत बाई के घर तक एवं शिव साहू के प्लाट से शिवकुमार के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	अधोसंरचना मद	9.45	7500/750
15	वार्ड क्र. 15 गंगाराम सोनवानी के घर से नेपाल बिंझवार के घर तक, माता चौरा से सत्यनारायण साहू के घर तक एवं रविशंकर केंवट के घर से अनिरुद्ध जायसवाल के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	अधोसंरचना मद	9.54	7500/750

टीप :-नियम एवं शर्ते कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत कोटा

प्रथम पृष्ठ का शेष

शाह ने दी बड़ी...

ट्रैकिंग और त्वरित संचार सुनिश्चित किया जा सकेगा। यह सेवा 24×7 संचालित होगी। इसमें जीआईएस आधारित मॉनिटरिंग, एडवांस व्हीकल ट्रैकिंग, एसआईपी ट्रंक टेक्नोलॉजी तथा स्वचालित कॉलर लोकेशन पहचान जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। राज्य के सभी 33 जिला समन्वय केंद्रों को भी इस नेटवर्क से जोड़ा गया है। नागरिक वॉयस कॉल, एसएमएस, ईमेल, वेब पोर्टल, व्हाट्सएप, चैटबॉट और एसओएस-112 इंडिया ऐप के माध्यम से भी सहायता प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, विधायक, जनप्रतिनिधि तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

शहीदों के परिजनों...

बैठकर उनका दुख साझा किया, ढांढस बंधाया तथा सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने सुरक्षाबलों के जवानों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया और उनके साहस एवं समर्पण की सराहना की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा, वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण देव सहित जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

शाह बोले-बस्तर...

मोहन औ तपन डेका, निदेशक, आसूचना ब्यूरो सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्री शाह ने कहा कि जब हमने नक्सलवाद समाप्त करने का संकल्प लिया, उसका उद्देश्य केवल नक्सलियों का खात्मा करना नहीं बल्कि इस क्षेत्र के गरीब आदिवासियों के जीवन में वे सभी सुविधाएं पहुंचाना भी था, जो बड़े-बड़े शहरों में उपलब्ध हैं, जिससे उनके बच्चों का भविष्य भी उज्ज्वल बन सके। उन्होंने कहा कि "नियद नेल्लानार" योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार हर गांव में सस्ते राशन की दुकान खोल रही है, हर गांव में प्राथमिक विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं और गांवों के बीच में एक समूह पीएससी, सीएससी खोले जा रहे हैं। अब यहां हर गरीब के घर तक पीने का पानी पहुंचाने का काम हो रहा है, आधार कार्ड बन रहे हैं, राशन कार्ड बन रहे हैं। हर व्यक्ति को प्रति माह 7 किलो चावल दिया जाता है और 5 लाख रूपए तक का पूरा इलाज मुफ्त में करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की योजना भी अब यहां तक पहुंच चुकी है।

डीएमएफ घोटाले में...

फरवरी 2026 को गिरफ्तार किया गया था, हालांकि वे 21 अप्रैल 2024 से ही न्यायिक रिमांड पर जेल में हैं। राज्य सरकार की ओर से 2019 के कुछ व्हाट्सएप मैसेज का हवाला देते हुए आरोपों की गंभीरता बताई गई। वहीं टुटेजा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि सह-आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है और मामले में 85 गवाहों की जांच होनी है, जिससे ट्रायल पूरा होने में लंबा समय लगेगा। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के बाद कहा कि इस मामले की सुनवाई पूरी होने और अंतिम फैसला आने में काफी समय लग सकता है। इसलिए मैरिट पर कोई टिप्पणी किए बिना पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा को जमानत देना सही होगा।

सीआरपीएफ के पूर्व...

शिक्षा प्राप्त करने वाले विजय कुमार ने आईएएस में चयन होने के बावजूद आईपीएस सेवा को चुना। अपने लंबे करियर के दौरान उन्होंने तमिलनाडु में नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक अभियान चलाए और संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर अलग पहचान बनाई। वर्ष 1985 से 1990 तक वह तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सुरक्षा के लिए गठित स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप का हिस्सा रहे। इसी दौरान उन्होंने अमेरिका, यूरोप और तत्कालीन सोवियत संघ में विशेष सुरक्षा और हथियार प्रशिक्षण प्राप्त किया। बाद में उन्होंने तमिलनाडु में मुख्यमंत्री जयललिता की सुरक्षा के लिए स्पेशल सिक्योरिटी ग्रुप का गठन किया, जिसका मॉडल बाद में कई राज्यों ने अपनाया।

मार्निंग वाक पर...

मूलतः बलौदाबाजार-भाटापारा निवासी मणिकांत ध्रुव (19) को झपटमारी के आरोप में गिरफ्तार किया है। बदमाश ने घटना को इतनी तेजी से अंजाम दिया था कि विधायक संभल पाते, इसके पहले मणिकांत विधायक की आंखों से ओझल हो गया। धरमलाल कौशिक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वे सुबह वाक करने निकले थे, इस दौरान शंकर नगर जाने वाले आर्च ब्रिज के पास एक बदमाश मोबाइल छीनकर मौके से फरार हो गया। घटना सुबह सवा सात बजे की है। विधायक जब वाक पर निकले थे, इस दौरान उनके साथ पीएसओ नहीं थे। विधायक अकेले वाक करने निकले थे। आरोपी पेशे से रैपिडो ड्राइवर है। **वीआईपी विजिट के बीच घटना, पुलिस सकते में -** घटना दिनांक के एक दिन पूर्व से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ दौरे पर रायपुर पहुंचे हुए हैं। केंद्रीय गृहमंत्री के आगमन को देखते हुए शहर को अलर्ट मोड पर रखा गया है। इस स्थिति में विधायक के साथ झपटमारी की घटना होने से पुलिस के हाथ पांव फूल गए। विधायक के साथ झपटमारी की घटना सामने आने के बाद सुबह से पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचने के साथ आरोपी को पकड़ने में जुट गए। आरोपी के पकड़े जाने पर पुलिस ने राहत की सांस ली।

चार महीने में दो दर्जन झपटमारी -

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के अनुसार पुलिस कमिश्नरेट के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पिछले चार महीनों में दो दर्जन झपटमारी की घटनाएं हुई हैं। झपटमारी की घटना में शामिल 20 बदमाशों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। इनमें मोबाइल से लेकर चेन स्नैचिंग, पर्स स्नैचिंग की घटना शामिल है। इसके विपरीत पिछले वर्ष इन चार महीनों में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में महज चार झपटमारी के पुलिस ने केस दर्ज किए थे। **इन-इन प्रकरणों में झपटमारी के इतने प्रकरण -** पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक जनवरी से अप्रैल के बीच चेन स्नैचिंग के छह, पर्स झपटमारी के चार तथा मोबाइल झपटमारी के 11 प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

कार की पिछली...

कार की पिछली सीट के पास एक विशेष चैंबर बना हुआ है। जांच में वहां दो पिट्ठू बैग मिले। इन बैगों के भीतर 6 प्लास्टिक के डिब्बे थे, जिनमें भारी मात्रा में सोने के अलग-अलग आभूषण भरे मिले। इन आभूषणों का कुल वजन लगभग 7.5 किलोग्राम निकला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जिसकी कुल कीमत 9 करोड़ 27 लाख 84 हजार 220 रुपए आंकी गई है।

गुजरात के निवासी तीनों आरोपी-

कार में सवार तीनों व्यक्तियों की पहचान राजकोट, गुजरात के निवासियों के रूप में हुई है। जिसमें जयेश अकबरी पिता मनसुख भाई, उम्र 32 वर्ष, सुनीत कारेना पिता अश्विन भाई कारेना, 22 वर्ष, रूशी अग्रावत पिता महेश भाई अग्रावत, 26 वर्ष शामिल हैं।

हाईकोर्ट में हो...

इन दो दिनों में केवल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही मुकदमों की सुनवाई करेगा।

यूरोप भारत में...

पीएम मोदी के मुताबिक, यह समझौता भारत और नॉर्वे के बीच साझा विकास और समृद्धि का मजबूत आधार बनेगा। इस समझौते के तहत अगले 15 साल में भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश और 10 लाख नौकरियां पैदा करने का टारगेट रखा गया है। स्वीडन से दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी का हवाई अड्डे पर नॉर्वे के प्रधानमंत्री स्टोर और स्कैंडिनेवियाई देश के अन्य शीर्ष नेताओं ने स्वागत किया। यह पीएम मोदी की नॉर्वे की पहली यात्रा है और 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की भी इस देश की पहली यात्रा है। इस दौरान पीएम मोदी ने नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित किया।

एनटीए के चेयरमैन...

सीबीआई ने गिरफ्तारी के अपने आधारों में कहा है कि अन्य आरोपियों के साथ, मोटेगांवकर को परीक्षा से दस दिन पहले 23 अप्रैल को प्रश्न पत्र और उत्तर प्राप्त हुए थे। उन्होंने बताया कि सीबीआई जब्त किए गए मोबाइल फोन को फॉरेंसिक विश्लेषण के लिए भेजेगी ताकि यदि कोई डेटा मिटाया गया हो तो उसे पुनः प्राप्त किया जा सके। सीबीआई का आरोप है कि मोटेगांवकर ने लीक हुए प्रश्न पत्रों और उत्तर पुस्तिकाओं की प्रतियां हस्तलिखित नोट्स के रूप में कई लोगों को उपलब्ध कराई थीं, जिन्हें परीक्षा होने के बाद नष्ट कर दिया गया था। एजेंसी ने रविवार दोपहर लातूर के शिवनगर इलाके में स्थित कोचिंग सेंटर की तलाशी ली। शुक्रवार को मोटेगांवकर से उसी इलाके में उसके आवास पर करीब आठ घंटे तक पूछताछ की गई। सीबीआई ने इससे पहले रसायन विज्ञान के लेक्चरर पीवी कुलकर्णी और जीव विज्ञान की लेक्चरर मनीषा मंधारे को गिरफ्तार किया था, जो दोनों मनीषा वाघमारे नामक एक महिला के माध्यम से एक-दूसरे को जानते थे। मनीषा वाघमारे भी सीबीआई की हिरासत में है। आरोप है कि दोनों शिक्षकों ने वाघमारे को परीक्षा से पहले नीट उम्मीदवारों को विशेष सत्रों के लिए लाने के लिए राजी किया था। अधिकारियों के अनुसार, छात्रों ने कथित तौर पर सत्रों में भाग लेने के लिए कई लाख रुपये दिए। इन सत्रों में उन्होंने प्रश्नों को नोटबुक में लिखा और ये प्रश्न बाद में वास्तविक प्रश्नपत्र से 'हूबहू मेल खाए।' केंद्रीय एजेंसी ने प्राथमिकी दर्ज कर परीक्षा पत्र लीक होने के मामले की जांच के लिए टीमें गठित की हैं। यह परीक्षा बाद में रद्द कर दी गई थी। यह परीक्षा भारत के 551 शहरों और विदेशों में 14 केंद्रों पर आयोजित की गई थी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित इस परीक्षा के लिए लगभग 23 लाख उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था। एनटीए के अनुसार, परीक्षा आयोजित होने के चार दिन बाद यानी सात मई की शाम को कथित कदाचार के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई।

उदंती टाइगर रिजर्व...

पर जंगल की अवैध कटाई कर अवैध कब्जा किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार अतिक्रमण के खिलाफ उपनिदेशक वरूण जैन और उनकी टीम कार्रवाई करने पहुंची थी। पहले मौजूद भीड़ ने टीम को हमला कर घेरा लिया। इसके बाद वरुण जैन के साथ धक्का–मुक्की की गई है और उनके कपड़े भी फाड़ दिए। घटना के बाद मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

घोघरा डैम में...

जानकारी के अनुसार ग्राम बालाझार निवासी सुकांती तिग्गा उम्र 32 वर्ष रविवार दोपहर अपनी दो बेटियों के साथ घोघरा डैम में कपड़े धोने और नहाने गई थीं। बताया जा रहा है कि सुकांती लगभग आठ माह की गर्भवती थीं। नहाने के दौरान अचानक उनका और उनकी छोटी बेटी मीनाक्षी तिग्गा उम्र 8 वर्ष का संतुलन बिगड़ गया और दोनों गहरे पानी की ओर चली गईं।डैम में पानी अधिक गहरा होने के कारण मां-बेटी खुद को संभाल नहीं सकीं और देखते ही देखते पानी में डूब गईं।

बड़ी बेटी ने तैरकर बचाई जान-

घटना के समय वहां मौजूद बड़ी बेटी आराधना तिग्गा उम्र 10 वर्ष ने साहस का परिचय देते हुए किसी तरह तैरकर अपनी जान बचाई। मां और छोटी बहन को डूबते देख वह घबराई हुई हालत में दौड़कर घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में डैम पहुंचे। मौके पर महिला के कपड़े, बाल्टी और चप्पलें किनारे पर पड़ी मिलीं, जिसके बाद गांव में हड़कंप मच गया।

गोताखोरों ने चलाया रेस्क्यू अभियान-

घटना की जानकारी मिलते ही पत्थलगांव पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू की गई। डैम में पानी की गहराई अधिक होने के कारण रेस्क्यू अभियान में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम को भी मौके पर बुलाया। देर शाम तक चले संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद मां और बेटी के शवों को पानी से बाहर निकाला जा सका।पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

कार ने सड़क किनारे...

बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। इधर इस घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने मुआवजा व कार्रवाई की मांग को लेकर एनएच पर चक्का जाम कर दिया। लोगों ने सड़क पर शव रखकर और टायर जलाकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रदर्शन किया जिससे लगभग तीन घंटे तक आवागमन बाधित रहा। मौके पर पहुंचे पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की समझाईस के बाद आन्दोलन समाप्त हुआ। बताया जा रहा है कि 17 मई की देर शाम मणिपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सुन्दरपुर निवासी अनिल कुमार गढ़ेवाल आ. अमरसाय शो रूम में काम करने के बाद वापस लौट रहा था। इस दौरान सांडबार बेरियर के समीप स्थित मोहम्मद तस्लीम की टायर दुकान में वह अपनी अल्टो कार में हवा डलवाने के लिए रुका हुआ था। टायर रिपेयरिंग दुकान में तस्लीम का भतीजा 20 वर्षीय कामरान आ. मो. नसीम कार में हवा डाल रहा था। इसी बीच लखनपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार चालक ने किनारे मौजूद दोनों युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। कार की रफ्तार का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि चालक दोनों युवकों को घसीटते हुए लगभग 100 मीटर दूर ले गया। घटना के बाद चालक कार समेत फरार हो गया। इधर घटना के बाद गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। लोगों का कहना है कि कार की रफ्तार इतनी अधिक थी कि वे उसका नम्बर प्लेट तक नहीं देख पाए। इधर इस घटना से परिजन में सदमें में है। मामले में पुलिस दवरा शवों को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

पहली बार सीएम...

शपथ ली है। मंत्रिमंडल में वरिष्ठ और युवा नेताओं को जगह दी गई है। एक समय मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदार माने जा रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला भी मंत्रिमंडल में शामिल किए गए है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी नेता राहुल गांधी समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता समारोह में मौजूद रहे। यूडीएफ में शामिल अहम सहयोगी दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) को भी मंत्रिमंडल में पर्याप्त जगह मिली और नयी सरकार में गठबंधन संतुलन साधने की कोशिश साफ दिखी। करीब डेढ़ घंटे तक चले शपथ ग्रहण समारोह और लोक भवन में आयोजित चाय समारोह के बाद राज्य सचिवालय में सतीशन की अध्यक्षता में नयी कैबिनेट की पहली बैठक हुई। बैठक में मार्च में विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत के दौरान राहुल गांधी द्वारा घोषित पांच कार्यक्रमों में से दो को लागू करने का फैसला लिया गया। इनमें 15 जून से केएसआरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा और बुजुर्गों के लिए एक समर्पित विभाग स्थापित किया जाना शामिल है। मुख्यमंत्री के अनुसार यह विभाग देश में अपनी तरह का पहला विभाग होगा। चुनाव के दौरान राहुल गांधी द्वारा घोषित अन्य गारंटियों में कॉलेजों में पढ़ने वाली छात्राओं को हर महीने 1,000 रुपए का वजीफा, सामाजिक कल्याण पेंशन बढ़ाकर 3,000 रुपए करना, प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा और युवा उद्यमियों को पांच लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त ऋण देना शामिल है। वाम शासन के दौरान सचिवालय के सामने आशा कार्यकर्ताओं के लंबे आंदोलन के दौरान किए गए वादे को पूरा करते हुए यूडीएफ कैबिनेट ने उनके मानदेय में 3,000 रुपए प्रतिमाह की वृद्धि को भी मंजूरी दी। इसके बाद उनका कुल मासिक मानदेय 12,000 रुपये हो जाएगा। हालांकि यह यूडीएफ के चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादे से कम है, लेकिन सतीशन ने कहा कि सभी वादों को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

Sai Care Hospital
श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय : शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवायें
कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार, लिवर व किडनी रोग, पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन, थाइरॉयड सर्जरी, हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771-4060929, मो. 7389485756

HMS घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिवाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।

गैस आउट सिरप
गैस, अरुचि, कब्ज़, अफरा, अपचन में तुरंत असरकारक नैचुरल आयुर्वेदिक है
सुगर के मरीज भी ले सकते हैं...
HMS देखकर खरीदें
एक बार उपयोग कर देखें
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-ऑफिस एवं शॉप में MS Office Word, Excel एवं बाकी सॉफ्टवेयर अनुभवी हिन्दी इंग्लिश टाइपिंग अनुभवी युवक एवं युवती कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- व्यापार विहार, बिलासपुर 7879111118 (40887)

आवश्यकता है-सरस्वती शिशु मन्दिर उ.मा. विद्यालय, बेलटुकरी, गनियारी में अंग्रेजी, संस्कृत एवं जीव विज्ञान विषय हेतु योग्य शिक्षकों की आवश्यकता है योग्यता- संबंधित विषय में स्नातकोत्तर एवं बीएड आवेदन की अन्तिम तिथि 30 मई 2026 मिलने का समय प्रातः 9बजे से 11बजे तक सम्पर्क- 8103658549, 9926164992 (40892)

आवश्यकता है-शिवम एग्रोटेक, अपने कार्य को विस्तार देने के लिए दो योग्य युवकों की भर्ती कर रहा है No कॉल, वाट्सएप्प पर बायोडाटा भेजें- 7000867969, 7477237699 (40890)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य हेतु (लड़के, लड़कियों) की आवश्यकता है वेतन 8000 सम्पर्क करें- गुप्ता अम्ब्रेला (छाता दुकान) हनुमान मन्दिर खोवा मण्डी के पास, जगदीश होटल के सामने, गोल बाजार बिलासपुर (40761)

आवश्यकता है-सिक्योरिटी गार्ड की आवश्यकता है छत्तीसगढ़ के लिए हॉस्पिटल, मॉल हेतु 8वीं 12वीं पास 54 पोस्ट सम्पर्क करें-7389079603 (041)

आवश्यकता है- थोक टॉयज (खिलौना) दुकान में कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- हिन्दुस्तान टॉयज वृन्दावन परिसर, तेलीपारा बिलासपुर 9827186198 (40841)

आवश्यकता है-मैनेजर/ सुपरवाइजर 1पद वेतन 10000 से 12000 एवं वेटर झाड़ू पोछा साफ सफाई हेतु चाहिए वेतन 10000 योग्यता या समय अनुसार सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9406390898, 9826390898 (40888)

आवश्यकता है-कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु दो चौकीदार (रहकर काम करने वाले) एक सुपरवाइजर, एक ड्राइवर एवं ऑटोकैड ड्राफ्टमैन की आवश्यकता है वेतन योग्य अनुसार। सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर 9827959907 (40886)

आवश्यकता है-मोबाइल शोरूम में एक साफ सफाई कर्मी, एक एसेसरीज मेंटेनेंस इंचार्ज, एक इंजीनियर, एक गार्ड एवं एक रिसेप्शनिस्ट युवक/ युवती चाहिए सम्पर्क करें- गुप्ता मोबाइल्स मेन रोड, जूना बिलासपुर 8602390000 (40867)

आवश्यकता है-अनुभवी PRO (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर) फील्ड वर्क, OT टेक्नीशियन, X-RAY टेक्नीशियन सरगांव के लिए आवश्यकता है। सम्पर्क करें- प्रभा हॉस्पीटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधी पारा सरकंडा बिलासपुर 7470946314 (40885)

आवश्यकता है-Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 (40889)

आवश्यकता है-थोक स्टेशनरी दुकान में मेहनती हमाली करने वाले लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- राधेश्याम स्टेशनरी सरजू बगीचा रोड तेलीपारा बिलासपुर (40884)

आवश्यकता है-CCTV कैमरा/ DTH फिटिंग ऑफिस में हेल्पर, सेल्स मार्केटिंग, कम्प्यूटर वर्क हेतु लड़के, लड़कियां और जनरल शॉप हेतु लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- निशानियां मार्केटिंग जूनीलाईन 9131042929, 9993455200, 07752407700 (40882)

आवश्यकता है-टिफिन सेन्टर में खाना और नाश्ता बनाने के लिए कुक की आवश्यकता है। घर जैसा नाश्ता खाना बनाना है। सम्पर्क करें- पद्मावती नाश्ता और टिफिन सेन्टर मंगला बिलासपुर 9755655055 (40878)

आवश्यकता है-सिक्योरिटी एजेन्सी में कार्य हेतु इच्छुक व्यक्ति, जो शोरूम में गाड़ियों की एंट्री कार्य कर सके तथा डे/नाइट में कार्य हेतु आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9981630084, 9425534940 (40881)

आवश्यकता है-प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कम्पनी हेतु बिलासपुर में जनरल एवं कैनोपी एग्जीक्यूटिव की आवश्यकता है। अच्छे कम्युनिकेशन एवं क्लाइंट हैंडलिंग कौशल आवश्यक। फ्रेशर्स आवेदन कर सकते हैं। सम्पर्क करें- 7970010958 (40871)

आवश्यकता है-एलआईसी में महिला/ पुरुष पार्ट टाइम/ फुल टाइम बीमा सखी/ सीसीए/ आरसीए की भर्ती, योग्यता 10वीं, 12वीं, स्नातक, 7000/ 6000/ 5000 प्रतिमाह छात्रवृत्ति, असीमित कमीशन आय सम्पर्क- आशीष अग्रवाल (विकास अधिकारी) 9893961300 (40864)

आवश्यकता है-जयपाल टॉवर-2, अग्रसेन चौक मगरपारा रोड स्टार चिल्ड्रन अस्पताल के पीछे बिलासपुर में अतिशीघ्र चौकीदार चाहिए। वेतन 7500/- रहने की सुविधा पता- आर्या कंस्ट्रक्शन दुकान नं.-8, सम्पर्क करें- 8103002273 (40869)

Required-Required CA Firm requires office staff for assisting in taxation and auditing work. Candidates experience with a CA Firm preferable. Contact- Rajesh Kumar Agrawal & Co., CA, F-6, 1st Floor, M.Galleria, Near Gumber Fuels, Vyapar Vihar Road, Bilaspur 07752404753, 9691497902 (40868)

आवश्यकता है-ऑटो पार्ट्स दुकान में काम करने के लिए अनुभवी लड़के एवं मैनेजर (सॉफ्टवेर ऑपरेटर) की आवश्यकता है। नोट- केवल ऑटो पार्ट्स अनुभवी लड़के ही सम्पर्क करें- 7869523344, 7301717175 (40879)

आवश्यकता है-फील्ड सुपरवाइजर, ई-रिक्शा ड्राइवर, टेलीकॉलर एवं फ्लेक्स पेस्टिंग करने के लिए लड़कों की अतिशीघ्र आवश्यकता है आज ही सम्पर्क करें- पीआरके एडवरटाइजिंग, अग्रसेन चौक, बिलासपुर 6263077177, 7805884040 (40865)

आवश्यकता है-बिलासपुर में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सर्वेयर, सेल्समेन, सेल्सगर्ल की आवश्यकता है योग्यता 8वीं से 12वीं वेतन 15000+ टीए, डीए सम्पर्क करें- प्रबंधक राधाकृष्ण सेवा केन्द्र बिलासपुर 8109100493 (40870)

आवश्यकता है-जॉब अवसर वेल्डर कटर, फिटर गार्ड, कम्प्यूटर ऑपरेटर, आफिस कार्य 10, ड्राइवर, चपरासी 20, स्टोर कीपर, हेल्फर, सुपरवाईजर, 5वीं से ग्रेजुएट वेतन 15000 से 35000 रहना फ्री, सम्पर्क- सीपत 6232429364 (40866)

आवश्यकता है-UTN Shop में सर्वे कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवशयकता है मासिक सैलरी 10000 से 15000, पता- शॉप नम्बर FS16 प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7999594790, 7806007192 (40863)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड 45, सुपरवाइजर 9 फील्ड अधिकारी 5, कंप्यूटर ऑपरेटर 2 वेतन योग्यता अनुसार मेस सुविधा आवास भोजन फ्री सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय-6 जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747000019, 7746000019 (015)

बेचना है

बेचना है- बिलासपुर के हृदय स्थल श्रीकांत वर्मा मार्ग मैग्नेटो मॉल के पहले वैशाली नगर में सर्वसुविधा युक्त पूर्णतः सुरक्षित कालोनी में 24 घंटे सुरक्षा गार्ड 2BHK के फ्लैट फर्स्ट फ्लोर में बेचना है रेट- 32 लाख सम्पर्क करें- 9827687816 (40845)

बेचना है-लेआउट गीतांजलि पार्क महर्षि विद्या मन्दिर रोड मंगला में 1500 वर्गफुट का प्लॉट तत्काल बेचना है। सम्पर्क करें- डॉक्टर जे.पी. दुबे 9630231500, 9630995600 (40877)

बेचना है-मोपका से चिल्हाटी जाने वाले मार्ग से 200 फीट अंदर 40×60 का प्लॉट 2400 वर्गफीट जमीन डायवर्टेड प्लॉट 950/- प्रति वर्गफिट में बेचना है, सम्पर्क करें- 8602493624, 9691462088 (40883)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

किराया

किराया-मैग्नेटो माल बिलासपुर के बाजू गली में 2BHK मकान एवं प्रथम तल में एक कमरा अटैच लेटबाथ किराए से देना है। शासकीय सेवक/ बैंक कर्मी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 8770453053 (40891)

किराया-बिलासपुर में संजय तरण पुष्कर के पास मुंगेली नाका चौक में मेन रोड पर 220 वर्गफुट की ग्राउंड फ्लोर की दुकान किराए पर देना है सम्पर्क करें- 9827482446, 7987567068 (40876)

किराया-राजेन्द्र नगर, स्मार्ट सिटी चौक, मेन रोड पर 1100 वर्गफुट फर्स्ट फ्लोर कमर्शियल स्पेस किराये से देना है (ऑफिस, NBFC, कोचिंग, सैलून क्लीनिक अन्य व्यवसाय हेतु उपयुक्त) सम्पर्क करें- 9294545000 (40880)

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

➡ जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
➡ जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	13	9	4	18
गुजरात	13	8	5	16
हैदराबाद	12	7	5	14
पंजाब	13	6	6	13
चेन्नई	12	6	6	12
राजस्थान	12	6	6	12
दिल्ली	13	6	7	12
कोलकाता	12	5	6	11
मुंबई	12	4	8	8
लखनऊ	12	4	8	8

ऑरेंज कैप | पर्पल कैप

साई सुदर्शन
554 रन
गुजरात

भुवनेश्वर कुमार
24 विकेट
बेंगलुरु

खबर संक्षेप

जर्मन मास्टर्स में 49वें स्थान पर अवनी

हैम्बर्ग। अवनी प्रशांत ने अमुंडी जर्मन मास्टर्स के चौथे दौर में बोगी रहित दो-अंडर 71 का स्कोर बनाकर अपने अभियान का समापन संयुक्त 49वें स्थान के साथ किया। अवनी ने नौवें और 14वें होल पर बर्डी लगाकर दो-अंडर का कार्ड खेला। उनका कुल स्कोर 7 ओवर पार (78-69-81-71) रहा। लियोनी हार्म ने अंतिम दौर में चार-अंडर 69 का कार्ड खेलते हुए कुल 10-अंडर पार (65-75-73-69) के स्कोर के साथ अपना पहला खिताब जीता। इससे पहले प्रणवी उर्स और वाणी कपूर कट से बाहर हो गई थीं।

डब्ल्यूपीएल की टीम खरीदना चाहता है पंजाब किंग्स

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भले ही महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का तत्काल विस्तार नहीं करना चाहता हो, लेकिन आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के सह-मालिक मोहित बर्मन का कहना है कि फ्रेंचाइजी चार सत्र पुराने इस टूर्नामेंट में किसी समय एक टीम का मालिक बनना पसंद करेगी। वर्तमान में डब्ल्यूपीएल में आईपीएल फ्रेंचाइजी के स्वामित्व वाली तीन टीम मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स हैं।

स्टार्क साथी खिलाड़ियों के लिए 'रोल मॉडल' : बदानी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हेमांग बदानी ने मिचेल स्टार्क की जमकर तारीफ करते हुए ऑस्ट्रेलिया के इस तेज गेंदबाज को अपने साथी खिलाड़ियों के लिए 'रोल मॉडल' करार दिया।

बदानी ने कहा, 'वह इस खेल के सबसे अच्छे रोल मॉडल में से एक है। उनकी कार्यशैली, खेल से पहले की तैयारी, उनकी अपनी योजनाएं और उनका अभ्यास सब कुछ बेमिसाल है। मुझे बहुत से युवा खिलाड़ियों में यह बात नजर नहीं आती और यही कारण है कि वह इतने लंबे समय से खेल में बने हुए हैं।' दिल्ली कैपिटल्स के कोच में युवा खिलाड़ियों पर स्टार्क के प्रभाव के बारे में भी बात की।

शाम 7.30 बजे से जयपुर में सूर्यवंशी और पंत में आमना-सामना

आरआर के लिए आज करो या मरो का मुकाबला, एलएसजी से भिड़ंत

एजेंसी ▸▸ जयपुर

राजस्थान रॉयल्स को अगर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को बरकरार रखना है तो उसे लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मंगलवार को होने वाले आईपीएल के मैच में खेल के हर विभाग में सुधार करना होगा। रॉयल्स ने अपने घरेलू मैदान सवाई मानसिंह स्टेडियम में अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है और यहां होने वाला अंतिम मैच घरेलू टीम के लिए करो या मरो जैसा बन गया है। रॉयल्स इसके बाद लीग चरण के अपने अंतिम मैच में मुंबई इंडियंस का सामना करेगा।

सूर्यवंशी पर निर्भर आरआर

रॉयल्स की टीम अच्छी शुरुआत के लिए 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर काफी हद तक निर्भर रही है, लेकिन इस युवा खिलाड़ी को दूसरे छोर से यशस्वी जायसवाल से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला है। ध्रुव जुरेल ने कुछ शानदार पारियां खेली हैं, लेकिन पिछले मैच में उन्होंने कुछ धीमी पारी खेली जबकि दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे। कप्तान रियान पराग ने हाल के मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह चाहेंगे कि उनकी टीम आखिरी पांच ओवरों में बल्लेबाजी में और अधिक सटीक प्रदर्शन करे।

आरआर की फील्डिंग रही खराब

आईपीएल के मौजूदा सत्र में अधिकतर टीम की फील्डिंग अच्छी नहीं रही है और उन्होंने कई कैच छोड़े हैं। राजस्थान रॉयल्स भी इन टीमों में शामिल है, जिसने कुछ अच्छे मौके गंवाए हैं। दिल्ली कैपिटल्स से मिली हार के बाद पराग ने टूर्नामेंट के अंतिम चरण में टीम के अपनी क्षमता के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाने पर निराशा व्यक्त की थी। पराग ने कहा, 'फील्डिंग खराब थी। अगर हम इसी तरह खेलते रहे तो हमें शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में नहीं होना चाहिए। अब अगर हम क्वालीफाई नहीं कर पाते हैं तो यह हमारी गलती होगी किसी और की नहीं।'

एलएसजी की टीम प्लेऑफ से बाहर

एलएसजी की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। वह अब बिना किसी दबाव के खेल रही है, जिसका नमूना पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मिली जीत में देखने को मिला। उसे राजस्थान रॉयल्स के बाद अपने आखिरी लीग मैच में पंजाब किंग्स का सामना करना है। उसकी टीम इन दोनों टीमों के समीकरण बिगाड़ने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

एलएसजी की बल्लेबाजी कमजोर

बल्लेबाजी एलएसजी की सबसे कमजोर कड़ी रही है, लेकिन मिचेल मार्श ने सीएसके के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया, जिससे टीम जीत हासिल करने में सफल रही। वह अपना इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखकर इस सत्र का सकारात्मक अंत करना चाहेगी।

मैच का समय : शाम 7:30 बजे

धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में 14, 17 और 20 जून को वनडे

एजेंसी ▸▸ गुवाहाटी

अफगानिस्तान के खिलाफ अगले महीने होने वाली एकमात्र टेस्ट और तीन वनडे मैचों की श्रृंखला के लिए मंगलवार को जब राष्ट्रीय चयनकर्ता भारतीय टीम का चयन करेंगे, तब तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के कार्यभार प्रबंधन (खिलाड़ियों को चोट से बचाने के लिए शारीरिक और मानसिक दबाव को नियंत्रित करने की प्रक्रिया) और रोहित शर्मा की मैच फिटनेस पर विशेष चर्चा होगी। आईपीएल का फाइनल 31 मई को अहमदाबाद में खेला जाना है, जबकि एक सप्ताह से भी कम समय के अंतराल पर 6 जून से मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) में अफगानिस्तान दौरे का एकमात्र टेस्ट मैच खेला जाएगा। वनडे मैच धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में क्रमशः 14, 17 और 20 जून को खेले जाएंगे।

रोहित की फिटनेस चिंता का विषय

इस बात की संभावना कम है कि बुमराह को दोनों प्रारुपों के लिए चुना जाएगा, क्योंकि वनडे में उन्हें तुरंत खिलाने की कोई जल्दबाजी नहीं है। 50 ओवर का विश्व कप अभी काफी दूर है (अक्टूबर-नवंबर 2027)। वहीं, रोहित शर्मा की फिटनेस भी चिंता का विषय बनी हुई है। आईपीएल के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वह मुंबई इंडियंस के कई मुकाबलों से बाहर रहे थे। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में भी उन्होंने केवल 'इम्पैक्ट प्लेयर' के रूप में बल्लेबाजी की थी। ऐसे में चयनकर्ता उन्हें तभी टीम में शामिल करेंगे, जब वह पूरी तरह फिट होंगे।

विराट के खेलने की पूरी संभावना

दूसरी ओर, विराट कोहली ने आईपीएल में शानदार फॉर्म दिखाकर अपनी उपयोगिता फिर साबित की है। रोहित की तरह अब केवल एक प्रारुप खेलने वाले कोहली के अफगानिस्तान के खिलाफ तीनों वनडे मैचों में खेलने की पूरी संभावना है। सबसे अधिक महत्व एकमात्र टेस्ट मुकाबले को दिया जा रहा है, क्योंकि हाल के समय में भारतीय टीम पारंपरिक प्रारुप में, खासकर घरेलू परिस्थितियों में, संघर्ष करती नजर आई है। बल्लेबाजों की

स्पिन-अनुकूल पिचों पर कमजोरियां लगातार सामने आई हैं। पिछले वर्ष नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में यह समस्या खुलकर उजागर हुई थी।

आजमाया जा सकता हैं प्रिंस यादव को

देवदत्त पडिक्कल को घरेलू सत्र की शुरुआत से लगातार मौके दिए जाएंगे। जम्मू-कश्मीर को ऐतिहासिक रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाने वाले आकिब नबी भी चयनकर्ताओं की चर्चा का हिस्सा बन सकते हैं। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे सत्र में 60 विकेट हासिल किए थे। आईपीएल में अपनी तेज रफ्तार और सटीक गेंदबाजी से प्रभावित करने वाले प्रिंस यादव को वनडे श्रृंखला में आजमाया जा सकता है। बुमराह अगर टीम का हिस्सा नहीं होते हैं, तो मोहम्मद सिराज आक्रमण की अगुवाई करते नजर आ सकते हैं। प्रसिद्ध कृष्णा के भी टीम में शामिल होने की संभावना है।

हैदराबाद प्लेऑफ में पहुंची:चेन्नई को 5 विकेट से हराया

एजेंसी ▸▸ चेन्नई

चेपॉक में सोमवार को खेले गए आईपीएल 2026 के मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपर किंग्स को 5 विकेट से हरा दिया। चेन्नई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 180 रन बनाया। जवाब में हैदराबाद ने 19 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लया।

इसी जीत के साथ हैदराबाद और गुजरात प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर गई हैं। वहीं, चेन्नई की टीम के लिए टॉप-4 में पहुंचना काफी मुश्किल है।

ईशान ने 70 रन की पारी खेली

हैदराबाद की जीत के हीरो ईशान किशन रहे, जिन्होंने 47 गेंदों में 70 रन की शानदार पारी खेली। उनके अलावा हेनरिक क्लासन ने 26 गेंदों में 47 रन बनाकर रनचेज को मजबूती दी। अंत में सलील अरोड़ा (10) और आर स्मरण (5) ने तेजी से रन बनाकर मैच खत्म किया।

ब्रेविस ने 44 रन बनाए

चेन्नई की शुरुआत शानदार रही, संजू सैमसन ने सिर्फ 13 गेंदों में 27 रन ठोक दिए। इसके बाद कार्तिक शर्मा ने 19 गेंदों पर 32 रन की तेज पारी खेली, जबकि डेवाल्ड ब्रेविस ने 27 गेंदों में 44 रन बनाकर पारी को संभाला। अंत में शिवम दूबे ने 26 रन का योगदान दिया। ब्रेविस और शिवम के बीच पांचवें विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी हुई। गेंदबाजी में पैट कमिंस सबसे सफल रहे। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 28 रन देकर 3 बड़े विकेट झटके। साकिब हुसैन ने 2 विकेट लिए, जबकि ईशान मलिंगा और प्रफुल हिंगे को 1-1 सफलता मिली।

9 अंडर का स्कोर बनाकर लगाए 3 शॉट

विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर पहुंचे

आरोन राय ने रचा इतिहास, जीता पीजीए चैंपियनशिप का खिताब

एजेंसी ▸▸ न्यूटाउन स्क्वायर

भारतीय मूल के ब्रिटिश गोल्फर आरोन राय ने अंतिम दौर में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए तीन शॉट से पीजीए चैंपियनशिप जीतकर नया इतिहास रच दिया। वह पिछली एक सदी से भी अधिक समय में इंग्लैंड में जन्मे पहले ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने यह प्रतियोगिता जीती है।

राय पहले फॉर्मूला वन ड्राइवर बनना चाहते थे लेकिन बाद में उन्होंने गोल्फ को अपनाया। राय इस टूर्नामेंट में भाग लेने से पहले विश्व रैंकिंग में 44वें स्थान पर थे लेकिन अब वह 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। राय ने पार-5 वाले नौवें होल पर 40 फुट का ईगल पुट लगाया। इसके बाद भी उन्होंने अपना अच्छा खेल जारी रखा और पांच अंडर 65 के स्कोर के साथ समापन किया। उन्होंने कुल 9 अंडर का स्कोर बनाकर तीन शॉट से खिताब जीता।

प्रज्ञानंदा ने खेला ड्रा, फोरेस्ट को बराबरी पर रोका

सुपर शतरंज क्लासिक : कीमर ने बनाई बढ़त

एजेंसी ▸▸ बुखारेस्ट

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने सुपर शतरंज क्लासिक टूर्नामेंट के चौथे दौर में नीदरलैंड के खिलाड़ी जॉर्डन वैन फोरेस्ट के साथ ड्रॉ खेला, जबकि जर्मनी के विंसेंट कीमर ने आसान जीत के बाद बढ़त हासिल कर ली। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा पर एकमात्र जीत और तीन ड्रॉ के बाद प्रज्ञाननंदा के संभावित चार में से 2.5 अंक है जबकि कीमर ने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को हराकर तीन अंकों के साथ एकल बढ़त बना ली।

अनीश गिरी ने विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ जबकि वेस्ली सो ने रोमानिया के डिएक बोगदान-डेनियल के खिलाफ ड्रॉ खेला। फ़िरोजा स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए चौथे दौर में नहीं खेले। प्रज्ञाननंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए किसी तरह का जोखिम लेना उचित नहीं समझा और केवल 35 चाल के बाद ड्रॉ पर सहमति जताई।

गोवा में होगी एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप

एजेंसी ▸▸ गोवा

देश में 'कॉन्ट्रैक्ट ब्रिज' खेल की सर्वोच्च संचालन संस्था भारतीय ब्रिज महासंघ (बीएफआई) ने घोषणा की कि प्रतिष्ठित एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप के पांचवें सत्र का आयोजन 21 से 27 जून तक गोवा में किया जाएगा। हर चार वर्ष में आयोजित होने वाली एशिया कप प्रतियोगिता महाद्वीपीय ब्रिज चैंपियनशिप में सबसे प्रतिष्ठित मानी जाती है।

इसका आयोजन एशिया ब्रिज बिरादरी के तत्वावधान में होता है, जिसमें एशिया और ओशिआनिया के प्रमुख देशों की भागीदारी रहती है। इस वर्ष प्रतियोगिता में 20 से अधिक देशों के खिलाड़ियों के शामिल होने की उम्मीद है।

इनमें भारत, चीन, जापान, सिंगापुर, थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, बांग्लादेश, श्रीलंका, पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, कुवैत और सऊदी अरब शामिल हैं। बीएफआई के अध्यक्ष प्रसाद केनी ने कहा, यह दूसरा अवसर है जब भारत को प्रतिष्ठित एशिया कप ब्रिज चैम्पियनशिप की मेजबानी का सम्मान मिला है।

फ्रांस से बदला लेने कोर्ट में उतरेंगे भारतीय शटलर

एजेंसी ▸▸ कुआलालंपुर

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मंगलवार से शुरू होने वाले मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल में अपने प्रदर्शन में सुधार करके फ्रांस से थॉमस कप के सेमीफाइनल में मिली हार का बदला चुकता करने की कोशिश करेंगे। भारत इसी महीने की शुरुआत में डेनमार्क के होर्सेन्स में थॉमस कप के सेमीफाइनल में फ्रांस से 0-3 से हार गया था और उसे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। भारत इस मुकाबले में अपने तीनों एकल मैच हार गया था। अब मलेशिया मास्टर्स में भारतीय खिलाड़ियों का फिर से फ्रांस के खिलाड़ियों से मुकाबला होगा और इस बार वह किसी तरह की कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे।

लक्ष्य की टक्कर उबैदिल्लाह से

कोहनी की चोट के कारण फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में नहीं खेल पाने वाले स्टार भारतीय शटलर लक्ष्य सेन इंडोनेशिया के मोह जाकी उबैदिल्लाह के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। भारत के अन्य खिलाड़ियों का मुकाबला हालांकि फ्रांस के खिलाड़ियों से होगा। इनमें थारुन मन्नेपल्ली फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से, किरण जॉर्ज सातवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स लैनियर से और एचएस प्रणय क्रिस्टो पोपोव से भिड़ेंगे।

कार्यालय नगर पंचायत खोंगापानी, जिला- मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)
दूरभाष क्र:- 07771-297613 ईमेल आई.डी.- cmokhongapani@rediffmail.com

क्रमांक /228/न.पं./2026-27 खोंगापानी, दिनांक 18/05/2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में आमंत्रित की जाती है।

सिस्टम टेण्डर क्र.	कार्य का विवरण	लागत (लाख)	निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
190597	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Khongapani, Chhattisgarh	43.26	08.06.2026 5.00 PM

विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालयीन अवधि में न.पा. कार्यालय एवं वेबसाईट http://eproc.cgstate.gov.in से प्राप्त की जा सकती है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर पंचायत खोंगापानी, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.)

कार्यालय नगर पंचायत नई लेदरी, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.)
Phone & Fax No. 07771247202 E-mail ID-nagarpanchayatnailedri13@gmail.com

क्र./42/न.पं./2026 नई लेदरी, दिनांक 18/5/2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

Name of work	Probable amount of contract (Rs. in Lakh)	Earnest money (Rs. in Thousand)	Time allowed for completion	Cost of Tender Document (in Rupees)	Validity of the Bid (From the last date of bid submission)	Class of the Contractor
Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and con-struction of Compost Plant in Municipal Areas of NAI LEDRI, Chhattisgarh	Rs 27.22 Lakhs	Rs 13600 (Thirteen Thousand Six Hundred)	Construction Period -06 months (from the date of issuing of Work Order) including rainy season Trial run 03 months.	10000.00 (Rupees Ten Thousand only)	120 days	In Class D or above registered with Unified Registration System (Single Window) on GOCG PWD

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञापत्ति निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी ई-प्राक्योरमेंट वेब पोर्टल (https://cgeprocurement.gov.in) विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालीन अवधि में कार्यालय में आकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

Chief Municipal Officer
Nagar Panchayat Nai Ledri, District-M.C.B (C.G)

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI
आंचलिक कार्यालय, स्टार हाऊस, प्रथम तल, प्लॉट नंबर 48, सेक्टर-24, नया रायपुर, छत्तीसगढ़ 492101
ई-नीलामी सूचना मेगा ऑक्शन अंतर्गत
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) व 1 के अधीन अचल संपत्ति की बिक्री की सूचना

ई-नीलामी द्वारा वाहन विक्रय सूचना (ई-नीलामी तिथि 09.06.2026)

हमारी शाखा द्वारा जब्त किये गये वाहनों का "जहाँ है जैसा है" आधार पर निविदा द्वारा विक्रय किया जाना प्रस्तावित है:-

क्र.	शाखा का नाम एवं उधारकर्ता का नाम	वाहन का विवरण	आरक्षित मूल्य / ई.एम.डी. / बोली वृद्धि राशि
1.	अंबिकापुर शाखा:- श्री ओम प्रकाश पिता श्री मोती राम	ट्रैक्टर :- 1. VEHICLE NO: CG15EB9928 MAKE AND MODEL GROMAX AGRI EQUIPMENT LTD/TRAKSTAR 536. 2. Chassis no: M9KATABAANVA02275 3. Engine no: NNA2DEJ0046	₹2,43,000 / ₹ 24,300 / ₹2000
2.	कांकेर शाखा:- श्री रामोतिन बाई नेताम	ट्रैक्टर :- 1. VEHICLE NO: CG19BK9778, 2. MAKE AND MODEL: TAFE MOTORS & TRACTORS LTD MF 241 DI (2017), 3. CHASSIS NO: MEA8D061FH2141144, 4. ENGINE NO: S3251H83431, THRESHER: 4 FAN GURU HINDUSTAN.	₹3,12,000 / ₹ 31,200 / ₹2000
3.	कांकेर शाखा:- श्री लाचनराम	ट्रैक्टर :- 1. VEHICLE NO: CG05AE0165, 2. MAKE AND MODEL: ESCORTS LTD-FARMTRAC6050 UMX(2017), 3. CHASSIS NO: T052382279KF, 4. ENGINE NO: E2387679	₹2,64,000 / ₹ 26,400 / ₹2000
4.	कांकेर शाखा:- श्री महेश बघेल	पिक अप:- 1. VEHICLE NO: CG19BG0478, 2. MAKE AND MODEL: TATA ACE HT BSIV, 3. CHASSIS NO: MAT445553HZF20626, 4. ENGINE NO: 275ID07FSYS56875	₹1,47,000 / ₹ 14,700 / ₹2000
5.	कांकेर शाखा:- श्री भारत भूषण शर्मा पिता रामनारायण शर्मा	पिक अप:- 1. VEHICLE NO: CG19BH0198, 2. MAKE AND MODEL: TATA PICK UP207RX BS IV WITH LOAD BODY(2018). 3. CHASSIS NO:MAT478014JSC03123, 4. ENGINE NO: 4SPCR10CRY612412	₹1,96,000 / ₹ 19,600 / ₹2000
6.	कांकेर शाखा:- श्री सुकल सिंह कावडे	ट्रैक्टर :- 1. VEHICLE NO: CG19BK9157, 2. MAKE AND MODEL: TAFE MOTORS & TRACTORS LTD MF 241 DI (2019), 3. CHASSIS NO: MEAD061FJ196505, 4. ENGINE NO: S3251J62427	₹2,45,000 / ₹ 24,500 / ₹2000

ई-नीलामी के नियम एवं शर्तें: 1. नीलामी बिक्रि/बोली, वेबसाइट https://baanknet.com के माध्यम से ऑनलाइन इलेक्ट्रानिक बिड्रिंग प्रक्रिया द्वारा की जायेगी। 2. **बोलीकर्ताओं की सुविधा के लिए वेबसाइट https://baanknet.com में जा कर "Guidelines" देख सकते हैं।** 3. बोली राशि आरक्षित मूल्य से अधिक होनी चाहिए। 4. सर्वाधिक/सफल बोलीकर्ता का विक्रय के सम्बंध में अधिकृत अधिकारी द्वारा बोली स्वीकार करने के बाद बोली/क्रय मूल्य के 25 प्रतिशत के बराबर की राशि में पहले से जमा बयाना राशि घटाकर शेष बची राशि अगले कार्यदिवस में जमा कराना होगा। अन्यथा उसकी बयाना राशि जब्त कर ली जायेगी। 5. क्रयमूल्य कि 75 प्रतिशत राशि का भुगतान अधिकृत अधिकारी द्वारा बिक्री कि पुष्टि करने से 15 दिन या उससे पहले अथवा उस बढ़ाई हुई अवधि के भीतर शेष राशि जमा नहीं करा पाने कि दशा में जमा राशि को जब्तकर लिया जायेगा एवं अधिकृत अधिकारी बैंक नीलामी को रद्द कर नये सिरे से नीलामी करने हेतु स्वतंत्र होंगे। 6. अधिकृत/सफल बोलीकर्ता की दशा में बयानाराशि का क्रय मूल्य में समायोजित कर दिया जायेगा एवं असफल बोलीकर्ताओं mstc/ibapi के द्वारा वापस कर दिया जायेगा। बयाना राशि पर किसी प्रकार का ब्याज देय नहीं होगा। 7. सम्पत्ति का **जैसा है, जहाँ है** एवं बिना किसी सहारे के आधार पर बेचा जायेगा। इच्छुक बोलीकर्ताओं नीलामी में शामिल होने में पूर्व सम्पत्ति पर किसी भी प्रकार का देय आदि के बारे में जानकारी स्वयं प्राप्त करें। **8. अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास स्व-विवेक से बिना किसी पूर्व सूचना एवं कारण बताये किसी भी बोली को स्वीकृत या अस्वीकृत करने अथवा बिक्री को स्थगित करने/टालने रद्द करने अथवा बिक्री की नियम व शर्तों को संशोधित करने का सम्पूर्ण अधिकार है।** 9. सम्पत्ति के क्रेता को सरकार को देय सभी वैधानिक देयक एवं सम्पत्ति से संबंधित सभी वर्तमान एवं भविष्य के कर, दर व देयक वहन करना होगा। 10. देय राशि ब्याज और अन्य शुल्कों को छोड़कर है। 11. इस नीलामी से संबंधित किसी भी तरह का संशोधन/त्रुटि सुधार/शुद्धिपत्र भविष्य में अखबार के माध्यम से प्रकाशित नहीं किया जायेगा कृपया इच्छुक नियमित रूप से ऊपर दी गई वेबसाईट से संज्ञान लेवें। 12. इस नीलामी की प्रक्रिया बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारी नहीं बोली लगा सकते। 13. इच्छुक बोलीकर्ता को यूजर आई डी-व पासवर्ड स्वयं बनाना है। जिसे बनाने में न्यूनतम 2 दिन का समय लगता है। अतः बोलीकर्ता से निवेदन है कि यूजर आई.डी. अंतिम तिथि से पूर्व ही बना लें। 14. एक बोली लगाने वाला (बोलीकर्ता) होने की स्थिति में बोली फॉर्म में उद्धत बोली राशि में न्यूनतम एक बोली वृद्धि मूल्य की बढोत्तरी करनी होगी, अन्यथा विक्रय निरस्त/स्थगित किया जायेगा। 15. एकल बोलीदाता के मामले में प्राधिकृत अधिकारी यह सुनिश्चित करें, उक्त बोलीदाता ने एक मूल्य उद्धत किया है जो आरक्षित मूल्य से अधिक है, हल किया गया। इस शर्त का अधिसूचना में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए। वाहन निरीक्षण के लिए कृपया **अंबिकापुर शाखा :- श्री गोकुल सिंह मेहरा 8962582747, कांकेर शाखा :- श्री रोहित कुर्रे- 9691011075.**

दिनांक: 19.05.2026, स्थान: रायपुर (छ.ग.), अधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया

सिरोही के इस मंदिर में मन्नत पूरी होने पर भक्त चढ़ाते हैं सिर्फ मिट्टी के घोड़े

जयपुर। राजस्थान के सिरोही जिले में रहने वाली गरासिया जनजाति मन्नत पूरी होने पर सोने-चांदी के बजाय मिट्टी के घोड़े चढ़ाती है। आबूरोड के उपलागढ़ गांव में स्थित 'भाखर बाबा' के मंदिर में संतान प्राप्ति, बीमारी से मुक्ति और अच्छी खेती की मन्नतें पूरी होने पर ये घोड़े अर्पित किए जाते हैं। गुजरात के पोसीना गांव के कुम्हारों द्वारा टेराकोटा आर्ट से बनाए गए इन घोड़ों के कारण मंदिर परिसर में मिट्टी के घोड़ों का बड़ा ढेर लगा रहता है, और यहां आयोजित होने वाले मेले में पारंपरिक 'घोड़ा नृत्य' किया जाता है। आमतौर पर आपने देश के प्रसिद्ध और बड़े मंदिरों में मन्नत पूरी होने पर भक्तों द्वारा सोना, चांदी, कीमती आभूषण या भारी मात्रा में नकदी चढ़ाते हुए देखा और सुना होगा। लेकिन, राजस्थान में एक ऐसी अनूठी जनजाति भी निवास करती है, जो अपनी मनोकामना पूरी होने पर किसी भी तरह के महंगे आभूषण चढ़ाने के बजाय भगवान को मिट्टी के बने खास घोड़े अर्पित करती है। जी हां, यह अनोखी और दिलचस्प परंपरा राजस्थान के सिरोही, उदयपुर और गुजरात के कुछ सीमावर्ती जिलों में रहने वाली 'गरासिया जनजाति' में पीढ़ियों से निभाई जा रही है। इस समाज के लोगों में अरावली के ऊंचे पहाड़ों की भगवान के रूप में पूजा करने का विशेष महत्व है।

गुजरात के पोसीना गांव से आता है मन्नत का ये 'टेराकोटा हॉर्स'

स्थानीय निवासी चतराराम गरासिया ने इस परंपरा के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि उपलागढ़ के 'भाखर बावसी' और रणोरा की पहाड़ी पर स्थित 'मांड बावसी' इस पूरे क्षेत्र के सबसे बड़े आराध्य देव माने जाते हैं। भक्त यहाँ अपनी संतान प्राप्ति, गंभीर बीमारियों से मुक्ति, मवेशियों (पशुओं) की रक्षा, अच्छी बारिश और खेती में बेहतरीन पैदावार जैसी कई बड़ी मन्नतें लेकर आते हैं। जब यह मन्नत पूरी हो जाती है, तो भक्त टेराकोटा आर्ट से बने मिट्टी के घोड़े चढ़ाते हैं, जिसके कारण इस स्थान को 'घोड़ा बावड़ी'भी कहा जाता है।

मंदिरों के बाहर घोड़ों का पहाड़ और प्रसिद्ध घोड़ा नृत्य

क्षेत्र में भाखर बाबा के मुख्य धाम के अलावा कई अन्य छोटे मंदिरों पर भी भक्तों द्वारा अपनी क्षमता के अनुसार छोटे-बड़े आकार के मिट्टी के घोड़े चढ़ाए जाते हैं। इन धार्मिक स्थलों के बाहर हजारों की संख्या में मिट्टी के घोड़ों का एक विशाल ढेर लगा हुआ दिखाई देता है, जो यहाँ आने वाले भक्तों की अटूट आस्था और पूरी हुई मन्नतों की गवाही देता है। उपलागढ़ के भाखर बाबा मंदिर में हर साल एक भव्य मेले का आयोजन होता है, जिसमें राजस्थान और गुजरात से लाखों आदिवासी लोग जुटते हैं।

रोचक खबरें

दुनिया का सबसे बेवकूफ पक्षी जिसके जूते जैसी होती है चोंच

नई दिल्ली। दुनिया में पक्षियों की हजारों प्रजातियां पाई जाती हैं। कोई अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर है, तो कोई अपनी तेज रफ्तार और शिकार करने की कला के लिए जाना जाता है। लेकिन, एक पक्षी ऐसा भी है, जिसे देखकर लोग डर जाते हैं। इसकी लंबी और भारी चोंच, विशाल शरीर और घूरती आंखें इसे बेहद खतरनाक बनाती हैं। हालांकि, हैरानी की बात यह है कि इतने डरावने दिखने के बावजूद इसे दुनिया का सबसे 'मूर्ख पक्षी' कहा जाता है। इस अनोखे पक्षी का नाम है शूबिल। शूबिल मुख्य रूप से पूर्वी अफ्रीका के देशों में पाया जाता है। यह खासकर इथियोपिया, दक्षिण सूडान और जाम्बिया के दलदली इलाकों में रहता है। कई लोग इसे सारस या बगुला समझ लेते हैं, लेकिन असल में इसका सबसे करीबी संबंध पेलिकन परिवार से माना जाता है। इस पक्षी की सबसे खास पहचान इसकी बड़ी और जूते जैसी दिखने वाली चोंच है। यही वजह है कि इसका नाम 'शूबिल' पड़ा। इसकी चोंच करीब एक फुट लंबी और लगभग 5 इंच चौड़ी होती है। चोंच के किनारे बेहद नुकीले होते हैं, जिससे यह आसानी से अपने शिकार को पकड़ लेता है। शूबिल देखने में जितना शांत लगता है, उतना ही खतरनाक शिकारी भी है। यह मछलियों, ईल, सांप और दूसरे छोटे जीवों का शिकार करता है। कई बार यह मगरमच्छ के बच्चों और मॉनिटर छिपकली को भी खा जाता है। इसकी शिकार करने की तकनीक भी काफी अलग होती है। शूबिल घंटों तक एक ही जगह बिल्कुल शांत खड़ा रह सकता है। वैज्ञानिक इसे 'कोलैप्सिंग' कहते हैं। जब कोई मछली या दूसरा जीव पानी की सतह पर आता है, तो यह अचानक हमला करके उसे पकड़ लेता है।

60 की उम्र में भी रहेंगे जवान! वैज्ञानिकों ने ढूंढ निकाला तरीका

लंदन। नई रिसर्च के अनुसार अगर आप हर रात बहुत कम या बहुत ज्यादा सोते हैं, तो इसका असर सिर्फ थकान तक सीमित नहीं रहता। वैज्ञानिकों का कहना है कि गलत स्लीप पैटर्न शरीर के कई अंगों को तेजी से बूढ़ा बना सकता है। यह

रिसर्च जर्नल नेचर में 13 मई को प्रकाशित हुई. स्टडी में पाया गया कि कम नींद और ज्यादा नींद दोनों ही दिमाग, दिल, फेफड़ों और इम्यून सिस्टम की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं। रिसर्च के मुताबिक सबसे कम जोखिम उन लोगों में देखा गया जो रोजाना लगभग 6.4 से 7.8 घंटे की नींद लेते हैं। इस स्टडी को कोलंबिया यूनिवर्सिटी के रेडियोलॉजी असिस्टेंट प्रोफेसर जूहाओ वेन ने लीड किया। उन्होंने कहा कि यह रिसर्च दिखाती है कि सही मात्रा में नींद लेना पूरे शरीर की सेहत के लिए बेहद जरूरी है। रिसर्च टीम ने मशीन लर्निंग तकनीक की मदद से शरीर के 17 अलग-अलग ऑर्गन सिस्टम के लिए 23 'बायोलॉजिकल क्लॉक' तैयार किए। इन क्लॉक्स ने मेडिकल स्कैन, ब्लड टेस्ट और प्रोटीन डेटा के जरिए यह मापा कि किसी इंसान के अंग उसकी असली उम्र की तुलना में कितनी तेजी से बूढ़े हो रहे हैं। इसके लिए ब्रिटेन के करीब 5 लाख लोगों के हेल्थ डेटा का विश्लेषण किया गया। रिसर्च में एक 'यू-आकार का पैटर्न'देखने को मिला. यानी जो लोग 6 घंटे से कम सोते थे और जो लोग 8 घंटे से ज्यादा सोते थे, दोनों में तेजी से एजिंग के संकेत मिले. वैज्ञानिकों के अनुसार लगभग 7 घंटे की नींद शरीर के लिए सबसे हेल्दी मानी गई। इसी रेंज में शरीर के अंग सबसे बेहतर स्थिति में पाए गए। स्टडी बताती है कि नींद सिर्फ आराम का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह शरीर के लगभग हर सिस्टम से जुड़ी हुई है।

विज्ञान का वो अनोखा हादसा, जिसने बिना चीर फाड़ शरीर के अंदर देखने का रास्ता खोला

वॉशिंगटन। आज के समय में जब किसी की हड्डी टूटती है या किसी को शरीर के अंदर चोट लगती है, तो डॉक्टर सबसे पहले एक्स-रे कराने की सलाह देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया को बिना चीर-फाड़ के शरीर के अंदर देखने की शक्ति देने वाली यह टेक्नोलॉजी एक इत्तेफाक की वजह से मिली थी? साल 1895 में वैज्ञानिक जर्मनी के विल्हेम रॉटजन अपनी लैब में अकेले काम कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने एक ऐसी रहस्यमयी चमक देखी, जिसने आने वाले समय में मेडिकल साइंस की पूरी तस्वीर ही बदलकर रख दी।

ब्लैक पेपर के पार दिखी रहस्यमयी रोशनी

8 नवंबर 1895 को रॉटजन अपनी लैब में क्रूक्स ट्यूब के साथ बिजली के करंट का एक्सपेरिमेंट कर रहे थे। उन्होंने लाइट को बाहर आने से रोकने के लिए ट्यूब को पूरी तरह से काले कार्डबोर्ड से ढक दिया था। इसके बाद उन्होंने देखा कि लैब में रखी एक फ्लोरोसेंट स्क्रीन अचानक चमकने लगी। काले कागज को पार करके आने वाली यह चमक उस समय के साइंस के हिसाब से असंभव थी। रॉटजन ने तुरंत इस पर रिसर्च शुरू किया। गणित में अनजान चीजों को एक्स माना जाता है, इसलिए उन्होंने इन रहस्यमयी किरणों का नाम एक्स-रे रख दिया।

ऐसे हुआ था एक्स-रे का आविष्कार

पत्नी के हाथ का लिया पहला एक्स-रे

इस खोज के कुछ समय बाद ही साल 1895 में 22 दिसंबर को रॉटजन ने दुनिया का पहला इंसानी एक्स-रे किया। उन्होंने अपनी पत्नी बर्था के हाथ को इस मशीन के आगे रखा। जब तस्वीर सामने आई, तो हैरान रह गए. उस तस्वीर में साफ तौर पर उनकी पत्नी के हाथ की हड्डियां और उंगली में पहनी हुई शादी की अंगूठी दिखाई दे रही थी। इस तस्वीर ने साफ कर दिया कि बिना किसी सर्जरी के भी इंसानी शरीर के आर-पार देखा जा सकता है।

मेडिकल जगत में आई क्रांति

पबमेड की रिपोर्ट्स के अनुसार यह इतिहास की सबसे तेजी से अपनाई जाने वाली टेक्नोलॉजी में से एक थी। साल 1896 आते-आते यह टेक्नोलॉजी लैब से निकलकर अस्पतालों और सर्जरियों तक पहुंच गई। इससे पहले डॉक्टरों को शरीर के अंदर चोट या गोली का पता लगाने के लिए छूकर अंदाजा लगाना पड़ता था या फिर सर्जरी करनी पड़ती थी। लेकिन एक्स-रे ने डॉक्टरों को पहले बीमारी देखने और फिर इलाज करने की आजादी दी।

खतरे से अनजान थे लोग

शुरुआत में एक्स-रे के फायदों को तो सबने देखा, लेकिन इसके नुकसानों के बारे में लोगों को पता नहीं था। जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स के मुताबिक शुरुआती दौर में रेडिएशन के खतरों की जानकारी न होने के कारण डॉक्टर बिना किसी सुरक्षा गाइडलाइन के इसका इस्तेमाल करते रहे. सुरक्षा के नियम काफी सालों बाद तय किए गए। आज 130 से भी ज्यादा साल हो जाने के बाद भी इसी एक्स-रे टेक्नोलॉजी की बदौलत सीटी स्कैन और फ्लोरोस्कोपी जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी काम कर रही हैं, जो रोज करोड़ों लोगों की जान बचा रही हैं।

भारत का सबसे ऐतिहासिक पुल मात्र 2 दिन में हुआ था तैयार

नई दिल्ली। भारत का इतिहास सिर्फ राजाओं, युद्धों और विशाल किलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की प्राचीन इंजीनियरिंग और अद्भुत आर्किटेक्चर भी पूरी दुनिया को हैरान करती रही है। सदियों पहले, जब ना आधुनिक मशीनें थीं और ना ही आज जैसी उन्नत तकनीक, तब भी भारत में ऐसे निर्माण किए गए जो आज के इंजीनियरों के लिए भी किसी अजूबे से कम नहीं हैं। इन्हीं ऐतिहासिक धरोहरों में शामिल है उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में तमसा नदी पर बना शाही पुल, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह महज 2 दिनों में तैयार कर दिया गया था। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि करीब 500 साल बाद भी यह पुल मजबूती के साथ खड़ा है और उस दौर की शानदार निर्माण कला की कहानी बयां करता है। करीब 500 साल पुराना यह पुल आज भी पूरी मजबूती के साथ खड़ा हुआ है। समय के साथ कई इमारतें और निर्माण कमजोर पड़ जाते हैं, लेकिन यह पुल आज भी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

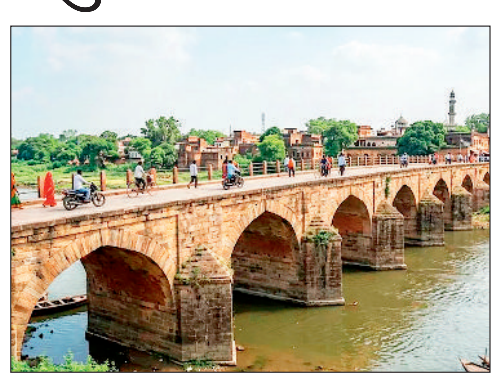

कैसे हुआ था सिर्फ दो दिनों में निर्माण?

इतिहास के मुताबिक, साल 1530 में शेरशाह सूरी अपनी सेना के साथ जौनपुर की तरफ बढ़ रहा था। इसी दौरान तमसा नदी उसके रास्ते में आ गई। सेना को जल्दी आगे बढ़ाना जरूरी था, इसलिए शेरशाह सूरी ने तुरंत पुल बनाने का आदेश दिया। कहा जाता है कि उस समय कुशल कारीगरों और मजदूरों ने दिन-रात मेहनत की और महज दो दिनों में इस पुल को तैयार कर दिया। उस दौर में यह काम किसी चमत्कार से कम नहीं माना जाता था।

पारंपरिक तकनीक ने बनाया बेहद मजबूत

इस पुल के निर्माण में चूना, राख, गोंद और अन्य पारंपरिक सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया था। यही वजह है कि यह पुल आज भी मजबूत बना हुआ है। उस समय की निर्माण तकनीक इतनी शानदार थी कि सदियों बाद भी यह पुल लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। भारत में ऐसे कई ऐतिहासिक पुल मौजूद हैं, जिनमें 16वीं सदी का शाही पुल, पंबन रेलवे ब्रिज, हावड़ा ब्रिज और चेनाब रेलवे ब्रिज जैसे नाम शामिल हैं। ये सभी भारत की इंजीनियरिंग क्षमता की मिसाल माने जाते हैं।

इस आइलैंड पर चलता है महिलाओं का राज, पुरुषों का जाना है बैन

हेलसिंकी। दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जिनके बारे में जानकर लोगों को हैरानी होती है। इन जगहों को लोग अलग-अलग वजहों से जानते हैं। इन दिनों एक ऐसी ही जगह की खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, इस जगह पर सिर्फ महिलाओं को रहने की इजाजत है। यहां पर पुरुषों के जाने पर रोक है। इस जगह का नाम सुपर शी आइलैंड है। यह फिनलैंड के पास बाल्टिक सागर में स्थित है। सुपर शी आइलैंड दुनिया के सबसे अनोखे निजी स्थान में से एक है। इस आइलैंड को सिर्फ महिलाओं के लिए ही बनाया गया है। 8.4 एकड़ में फैले इस आइलैंड पर पुरुष नहीं जा सकते हैं। यह लग्जरी वेलनेस रिट्रीट के तौर पर डिजाइन था। यह शानदार सुविधाओं के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को तरोताजा करने के लिए एक सुरक्षित स्थान है। क्रिस्टीना रोथ ने वर्ष 2017 में इस आइलैंड को शुरू किया था। सुपर शी की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, यह आइलैंड पर्यटन स्थल के साथ ही एक आंदोलन है। महिलाओं के लिए बहुत सोच-समझकर विशेष स्थान बनाने का फैसला लिया गया था। क्रिस्टीना रोथ एक उद्यमी हैं, जिन्हें मुख्य तौर पर सुपरशी आइलैंड की संस्थापक के रूप में जाना जाता है। उन्होंने महिला की जरूरत को पहचाना और एक सुरक्षित स्थान बनाया।

कोई भी नहीं जा सकता है

सुपर शी आइलैंड पर कोई भी सीधे नहीं जा सकता है। यहां पर रुकने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होता है। सिलेक्शन करने के बाद यहां पर प्रवेश मिलता है। यहां पर हर रिट्रीट में सिर्फ 10 महिलाओं को जगह मिलती है। यहां पर महिलाओं की प्राइवेसी होती है और उन्हें पर्सनल अनुभव मिलता है। यहां पर योग और मेडिटेशन, हाइकिंग, बाल्टिक सागर के पानी में कयाकिंग, वेलनेस वर्कशॉप और कुकिंग क्लास जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com